MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

अच्छे दिनों के लिए बुरे दिनों से लड़ना पड़ता है, जीवन में चाहे जितना भी ऊंचा उड़े, परन्तु कठिनाइयों के दिनों को नहीं भूलना चाहिए,

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

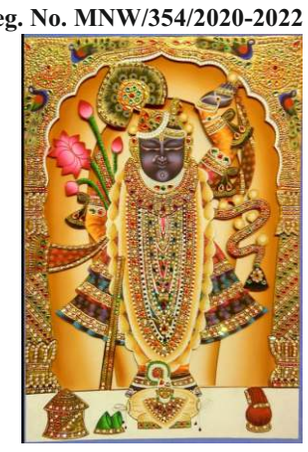

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-06 ❖ मुंबई ❖ रविवार 30 जनवरी से 05 फरवरी 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

पश्चिम रेलवे ने 73वे गणतंत्र दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

पेज 5

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में शंकर सिंह वाघेला व नरेश पटेल पर टिकी सबकी निगाहें

पेज 7

नेता जी के स्टैच्यू पर जावेद अख्तर के बोल-विचार तो अच्छा है, लेकिन स्टैच्यू को लेकर पसंद सही नहीं है

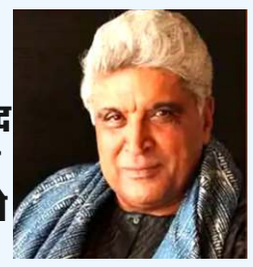

पेज 8

श्री देसाई सई-सुतार ज्ञाति मंडल मुंबई द्वारा समाजसेवक किरीटभाई चावड़ा सम्मानित

मुंबईः कोरोना के मामले घटने पर प्रतिबंधों में ढील की तैयारी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार आ रही गिरावट के चलते शीघ्र ही प्रतिबंधों में ढील देने की तैयारी की जा रही है। मुंबई में बाग, खेल के मैदान, पर्यटक स्थल, पार्क, चिड़ियाघर, संग्रहालय को शर्तों के साथ खोलने पर विचार किया जा रहा है।

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी का कहना है कि मुंबई में कोरोना के मामलों में कमी आयी है। राज्य सरकार और टास्क फोर्स के साथ चर्चा कर अनलॉक की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। अगले हफ्ते से अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

काकानी ने कहा कि अगर मुंबई में इसी तरह कोरोना के मामलों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, तो कुछ अन्य प्रतिबंधों में भी ढील दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना में बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यायाम और सुबह टहलना कारगर साबित हो रहे हैं। इसलिए मैदान और उद्यान को खोलने की योजना है। साथ ही होटल और रेस्तरां खुले का समय रात 10 बजे से बढ़ाकर 11 बजे तक किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में महिला पुलिसकर्मियों के ड्यूटी के घंटे घटे राज्य के पुलिस महानिदेशक संजय पांडे ने एक आदेश जारी कर महाराष्ट्र की महिला पुलिसकर्मियों को खुशखबरी दी। डीजीपी के आदेश के मुताबिक कि अब पूरे महाराष्ट्र में महिला पुलिसकर्मियों को अब 12 के बजाय आठ घंटे ड्यूटी करनी होगी। महिला कर्मियों के लिए नया छोटा कार्य दिवस प्रयोगात्मक आधार पर लागू किया जाएगा। आम तौर पर, पुरुष और महिला दोनों कर्मियों की 12 घंटे की ड्यूटी होती है।गुरुवार को जारी डीजीपी के निर्देश में कहा गया है कि महिलाओं के लिए आठ घंटे की ड्यूटी अगले आदेश तक लागू रहेगी। इसमें कहा गया है कि यूनिट कमांडरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आदेश को लागू किया जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिला अधिकारियों को बेहतर कार्य-जीवन संतुलन प्रदान करने के लिए यह कदम उठाया गया है।अधिकारी ने बताया कि इससे पहले यह व्यवस्था नागपुर शहर, अमरवती शहर और पुणे ग्रामीण में लागू की गई थी। हालांकि आपात स्थिति में या त्योहारों के दौरान महिला कर्मियों की ड्यूटी के घंटे बढ़ाए जा सकते हैं लेकिन यह केवल संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों या पुलिस उपायुक्तों की अनुमति से ही हो सकेगा।

महाराष्ट्र में महिला पुलिसकर्मियों के लिए गुड न्यूज

अब 12 की जगह करनी होगी आठ घंटे ही ड्यूटी

मुंबई: महाराष्ट्र में महिला पुलिसकर्मियों के लिए गुड न्यूज है। सरकार ने उनकी ड्यूटी के घंटे कम कर दिए हैं। पहले महिला और पुरुष पुलिसवालों को जहां 12 घंटे की ड्यूटी करनी पड़ती थी, वहीं अब महिला पुलिस की सिर्फ आठ घंटे की शिफ्ट लगेगी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय पांडे की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि महाराष्ट्र में महिला पुलिसकर्मियों को अब 12 घंटे के बजाय आठ घंटे ड्यूटी करनी होगी। महिला पुलिसकर्मियों के लिए नया कम अवधि का कार्य दिवस प्रयोगात्मक आधार पर लागू किया जाएगा। प्रयोगा के तौर फिलहाल लागू हुआ नियम आम तौर पर, पुरुष और महिला दोनों पुलिसकर्मियों की 12 घंटे की ड्यूटी होती है। गुरुवार को जारी डीजीपी के निर्देश में कहा गया है कि महिलाओं के लिए आठ घंटे की ड्यूटी अगले आदेश तक लागू रहेगी। इसलिए लिया गया फैसला आदेश में कहा गया है कि यूनिट कमांडरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आदेश को लागू किया जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिला अधिकारियों को कार्य और व्यक्तिगत जीवन में बेहतर तालमेल बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले यह व्यवस्था नागपुर शहर, अमरावती शहर और पुणे ग्रामीण में लागू की गई थी।

शराब पर सियासतः संजय राउत बोले-

भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा कहती हैं, शराब दवा है इसे कम मात्रा में पिएं यह क्या है?

महाराष्ट्र में शराब पर सियासत जमकर हो रही है। जब से शिवसेना ने सुपर बाजारों व दुकानों पर वाइन बिक्री की इजाजत दी है, भाजपा उस पर हमलावर है। उधर, शिवसेना इस कदम का बचाव कर रही है। अब शिवसेना नेता संजय राउत का एक और बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि फडणवीस सरकार शराब की ऑनलाइन बिक्री और होम डिलीवरी की योजना बना रही थी। यह क्या था? इसके आगे संजय राउत ने कहा कि भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा कहती हैं कि शराब दवा है और इसे कम मात्रा में पिएं। संजय राउत ने कहा कि हमने किसानों की आज दोगुनी करने के लिए यह फैसला लिया है। भाजपा सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया।

वाइन शराब नहीं

इससे पहले सरकार के फैसले का विरोध कर ही भाजपा पर संजय राउत ने हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि वाइन शराब नहीं है। यदि वाइन की बिक्री बढ़ती है तो इससे महाराष्ट्र के किसानों को लाभ होगा। कहा था कि भाजपा इसका विरोध कर रही है, लेकिन उसने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। हमने महाराष्ट्र के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए वाइन बिक्री को लेकर यह कदम उठाया है।

किसानों की दुश्मन है भाजपा

शिवसेना सांसद राउत ने एक दिन पहले मुंबई में पत्रकारों से चर्चा में कहा था कि वाइन उद्योग काफी हद तक अंगूर, चीकू, अमरूद और अनाजों पर निर्भर है। किसान जो फल और अनाज उपजाते हैं, उनसे वाइन बनती है। यह निर्णय किसानों के हित में लिया है। किसानों के हित में साहसी फैसले करने पड़ते हैं। जो इसका विरोध कर रहे हैं, वे किसानों के दुश्मन हैं।

फडणवीस ने कहा था- मद्य राष्ट्र

भाजपा का कहना है कि पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की बजाए राज्य सरकार शराब बिक्री की सुविधाएं दे रही है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह महाराष्ट्र है कि मद्यराष्ट्र है? कोरोना काल में किसानों और गरीबों के लिए एक भी मदद की घोषणा राज्य सरकार ने नहीं की। इन्हें बस शराब की चिंता है।

गांधीधाम पुरी एक्सप्रेस में लगी आग पर पाया गया काबू

गांधीधाम पुरी एक्सप्रेस गाड़ी में आग लग गई. महाराष्ट्र के नंदूरबार स्टेशन के पास ट्रेन में आग लगी. सुबह 10 बज कर 35 मिनट में आग लगने की सूचना मिली. जब ट्रेन नंदूरबार स्टेशन में पहुंच ही रही थी तभी ट्रेन में आग लगी. ट्रेन के पैंट्री कार से आग लगनी शुरू हुई. इस बीच फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी गई. फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग बुझाने के काम में लग गई. रेल मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है और सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है. किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. आग का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है. 12993 गाधीधाम पुरी एक्सप्रेस ट्रेन जब स्टेशन पर पहुंचने वाली थी, उससे थोड़ी दूर पहले ही अचानक आग लगी. घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत फायर ब्रिगेड की टीम को भेजा गया. दमकल की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची. पैंट्री कार को बाकी कोच से अलग किया गया और आग बुझाने का काम शुरू किया गया. सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया आग की सूचना मिलते ही मेडिकल टीम और पारामेडिकल स्टाफ को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया. रेल मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. किसी के हताहत होने की भी कोई खबर नहीं है. वेस्टर्न रेलवे द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक ट्रेन में कुल 22 कोच हैं. जहां से आग की शुरुआत हुई वो पैंट्री कार कोच नंबर 13 पर थी. स्टेशन पास होने की वजह से ट्रेन की स्पीड कम थी. इस वजह से आग लगते ही मोटरमैन ने गाड़ी तुरंत रोक दी थी.

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने दिया कोरोना पर अपडेट

तीसरी लहर का पीक चला गया, नए वेरिएंट से डरने की जरूरत नहीं

पिछले कई हफ्तों से महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण में लगातार कमी आई है. इससे पहले जब कोरोना संक्रमण में अचानक तेजी आई थी और प्रतिदिन करीब 45 से 50 हजार के बीच कोरोना केस सामने आ रहे थे, तब ऐसा कहा गया था कि कोरोना की तीसरी लहर का पीक चल रहा है. स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शनिवार को पत्रकारों से इस बारे में कुछ अहम जानकारियां शेयर की हैं. उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र के कुछ भागों में अभी भी संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है. ऐसे शहरों में नासिक, नागपुर, पुणे, औरंगाबाद शामिल हैं. लेकिन मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर जैसे शहरों और कस्बों में कोरोना केस लगातार कम हो रहे हैं. इस लिहाज से यह कहा जा सकता है कि राज्य में तीसरी लहर का पीक आकर चला गया.'राजेश टोपे ने आगे कहा, 'शहरों में भले ही कोरोना केस कम हो रहे हों, लेकिन ग्रामीण इलाकों में केस बढ़ रहे हैं. इस पर कोई खास चिंता करने की जरूरत नहीं है. क्योंकि फिलहाल संक्रमित मरीज इलाज के बाद पांच से छह दिनों में ठीक हो रहे हैं. इसलिए गांवों में बढ़ते हुए कोरोना केस को देख कर ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है.'

क्यों भड़के छात्र

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की नॉन टेक्निकल पॉप्युलर कैटिगरीज (RRB NTPC Recruitment Process) में नियुक्ति प्रक्रिया के खिलाफ बिहार और उत्तर प्रदेश में छात्र युवा सड़कों पर उतर आए हैं। कई जगह से रेलवे स्टेशनों पर तोड़फोड़ करने, रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और ट्रेन रोके जाने की खबरें हैं। रेलवे ने इस प्रक्रिया के तहत अगले महीने प्रस्तावित दूसरे चरण की परीक्षा को स्थगित करते हुए युवाओं की मांग पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित कर दी है, लेकिन इसके बावजूद युवाओं का विरोध थमता नहीं दिख रहा। इसी मसले पर शुक्रवार को बिहार बंद का आह्वान किया गया है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर अचानक ऐसा क्या हो गया, जिससे युवाओं का गुस्सा इस तरह फूट पड़ा कि समझाने-बुझाने की कोशिशें भी कामयाब नहीं हो पा रही हैं। चूंकि यह आंदोलन स्वत:स्फूर्त ढंग से शुरू हुआ है और इसका कोई स्पष्ट नेतृत्व नहीं है, इसलिए मांगों को लेकर भी वैसी स्पष्टता नहीं दिख रही है। बहुत से अभ्यर्थी कह रहे हैं कि पहले चरण के टेस्ट के बाद अब

दूसरे चरण की परीक्षा लेना उनके साथ धोखा है। लेकिन रेलवे का दावा है कि मूल नोटिफिकेशन में भी यह बात कही गई थी कि जरूरत हुई तो दूसरे चरण की परीक्षा ली जा सकती है। दूसरा मसला चुने गए अभ्यर्थियों की क्वॉलिफिकेशन से जुड़ा है। चूंकि इसमें लेवल 2 से लेवल 6 तक के पद शामिल हैं तो इसमें अभ्यर्थियों की पात्रता भी दो लेवल- ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट- की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि चूंकि अंडर ग्रेजुएट की पात्रता वाले पदों के लिए ग्रेजुएट्स ने भी आवेदन किया और सवाल दोनों के लिए समान थे, तो अंडर ग्रेजुएट कैंडिडेट्स की संभावना कम हो गई। इस मामले में रेलवे की यह बात सही है कि पात्रता रखने वाले प्रत्याशियों को आवेदन करने से रोका नहीं जा सकता। एक बड़ी जटिलता प्रत्याशियों को एक से ज्यादा कैटिगरी में अप्लाई करने की छूट से पैदा हुई है। इससे कटऑफ नंबर ऊंचा हो गया और बहुत से कैंडिडेट एकाध नबंरों की वजह से छूट गए। बहरहाल, इन जटिलताओं की अपनी भूमिका हो सकती है, लेकिन युवाओं के गुस्से की जड़ कहीं और है।

ध्यान रहे कि एनटीपीसी के इन पदों के लिए नियुक्ति का विज्ञापन रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने फरवरी 2019 में दिया था। तीन साल बीत जाने के बाद भी नियुक्ति तो दूर, पहले चरण की परीक्षा का नतीजा भर आया है। सरकारी नौकरी की आस में सालों-साल बैठे युवाओं का धैर्य स्वाभाविक ही जवाब देने लगता है। उन्हें लगता है सरकार उन्हें नौकरी देने के बजाय उसे नौकरी की मृगतृष्णा में फंसाए रखना चाहती है। ऐसे में उच्च स्तरीय समिति इस मामले का हल जरूर निकाले, लेकिन दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से रोकने के लिए जरूरी यह है कि रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड और अन्य नियुक्ति अजेंसियां अपनी प्रक्रिया को दुरुस्त कर जल्दी-जल्दी नियुक्तियां शुरू करें ताकि युवाओं को सचमुच नौकरी मिलती दिखनी भी शुरू हो।

वोट की खातिर 'मुफ्त'

किरीट ए. चावड़ा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जिस तरह से वोटरों के अलग-अलग हिस्सों को मुफ्त वस्तुएं या सेवाएं दिए जाने की

घोषणाएं हो रही हैं, वह मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। इस संबंध में आई एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने माना कि यह गंभीर मसला है क्योंकि इस तरह की घोषणाएं लेवल प्लेइंग फील्ड को प्रभावित करती हैं। गौर करने की बात है कि इन चुनावों में विभिन्न पार्टियों के बीच लोगों के लिए 'मुफ्त' की योजनाओं का ऐलान करने की होड़ सी लग गई है। कोई बिजली मुफ्त देने की बात कर रहा है तो कोई महिलाओं को हर महीने निश्चित राशि देने का एलान। कोई स्मार्टफोन और स्कूटी फ्री देने की घोषणा लेकर सामने आ रहा है। यह सब उन राज्यों में भी हो रहा है, जो पहले से ही कर्ज के बोझ से लदे हैं। हालांकि मौजूदा कानूनों के मुताबिक राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में किए जाने वाले वायदों को भ्रष्टाचार नहीं कहा जा सकता, लेकिन फिर भी यह सवाल तो है ही कि यह चलन चुनाव प्रक्रिया को किस रूप में प्रभावित कर रहा है और इससे आखिर किस तरह के नतीजे सामने आने वाले हैं। अगर तरह-तरह के वादे सिर्फ लोगों को भरमाने के लिए हैं और चुनाव खत्म होने के बाद सत्ता में आने वाले राजनीतिक दल इसे ठंडे बस्ते में डालने का फैसला करते हैं तो यह सीधे-सीधे मतदाताओं के साथ धोखा कहलाएगा। लेकिन अगर वे इन वादों को लेकर सचमुच गंभीर हैं और इन्हें पूरा करने की कोशिश करते हैं तो फिर उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर, वहां के बजट पर और करदाताओं पर किस तरह का प्रभाव पड़ेगा?

इन सवालों की अनदेखी मुश्किल है। लेकिन इन्हें न्यायपालिका या चुनाव आयोग के निर्देशों के जरिए हल करने की कोशिशों के भी अपने खतरे हैं। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए इस बात का खास तौर पर ध्यान रखने की जरूरत है कि देश के लोकतांत्रिक स्वरूप पर और बतौर वोटर लोगों के जनतांत्रिक अधिकारों के दायरे पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े। स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले में पर्याप्त सावधानी बरतते हुए चल रहा है।

केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जरूर जारी किए गए हैं, लेकिन फिलहाल उनसे यह बताने को कहा गया है कि 2013 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है, जिसमें मुफ्त की घोषणाओं को लेकर गाइडलाइन बनाने की बात कही गई थी। किसी लोकतांत्रिक समाज में इस तरह की समस्याओं का स्थायी हल यही हो सकता है कि सभी संबंधित पक्षों में ज्यादा जागरूकता और ज्यादा गंभीरता आए। उम्मीद करें कि सुप्रीम कोर्ट की ताजा पहल के संकेतों को समझते हुए इस मामले के सभी स्टेक होल्डर्स अपनी-अपनी भूमिकाओं में पहले से ज्यादा जिम्मेदार और गंभीर नजर आएंगे।

भाजपा को हराते-हराते यूपी में हार चुका है मुसलमान

जिगर डी वाढेर

उत्तर प्रदेश में विधानसभा का चुनावी समर जारी है, लेकिन इस बार का चुनाव कुछ मायनों में पिछली तमाम राजनीतिक लड़ाइयों से अलहदा है। कम से कम अयोध्या आंदोलन के बाद यह पहला चुनाव है, जिसमें 20 फीसदी मुस्लिम आबादी किसी भी दल के एजेंडे में शामिल नहीं है। कोई भी राजनीतिक दल मुसलमानों के मसले पर खुलकर नहीं बोल रहा है। आखिर ऐसा कौन सा कारण है कि राज्य की सवा सौ से ज्यादा सीटों पर प्रभावी मुसलमान वोटर सभी राजनीतिक दलों के लिये अप्रसांगिक बन गया है?

सेक्युलर दल भी अब मुसलमानों के मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं? कोई दल मुसलमानों के वोटों को लुभाने का प्रयास अपने सियासी मंच से नहीं कर रहा है? क्यों आज उत्तर प्रदेश में किसी भी दल के पास ऐसा कोई बड़ा मुस्लिम चेहरा नहीं है, जिसे मुसलमानों अपना रहनुमा मानकर अपनी हिस्सेदारी मांगें! क्यों नहीं मुसलमानों की कोई मजबूत लीडरशिप उत्तर प्रदेश में नजर आ रही है? क्यों आज मुसलमान चुनावी राजनीति में अलग-थलग पड़ा हुआ है? इस विधानसभा चुनाव में ऐसे बहुतेरे सवाल हैं, जिसके उत्तर की तलाश राज्य की बीस फीसदी आबादी को है।

दरअसल, इन सवालों की तह में जायें तो यह बात स्पष्ट रूप से सामने आती है कि खुद को सियासी अछूत हो जाने की हद तक पहुंचाने का जिम्मेदार खुद मुसलमान है। आज कई सेक्युलर दलों के मंच पर मुसलमान नेताओं के लिये जगह नहीं है। उत्तर प्रदेश में अगड़ों की लीडरशिप, पिछड़ों की लीडरशिप, अतिपिछड़ों की लीडरशिप और दलितों की लीडरशिप तो नजर आती है, लेकिन आज बीस फीसदी मुलसमानों की लीडरशिप कहीं नजर नहीं आती है। आर्थिक एवं सामजिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के हालात पर कोई दल बात करता नजर नहीं आ रहा है। सपा, कांग्रेस एवं बसपा जैसे कथित तौर पर सेक्युलर दल भी मुस्लिम हितों पर चुप्पी साधे पड़े हैं, जिनके राजनीति की शुरुआत ही मुसलमानों की बात से होती थी। देश के संसाधनों पर पहला हक बताने वाली कांग्रेस हो या फिर हिंदू कन्याओं को दरकिनार कर केवल मुस्लिम कन्याओं के लिये अलग योजना बनाने वाली समाजवादी पार्टी, आज कोई भी मुसलमानों के हित में योजनाएं चलाने की बात अपनी मंचों से नहीं कह रहा है।

ऐसा इसलिये है कि उसे हिंदू वोटों के नाराज हो जाने का खतरा है। सेक्युलर दल बीते तीन चुनावों में हाशिये पर जाने के बाद हिंदू वोटों को नाराज करने का जोखिम लेने को तैयार नहीं हैं, भले ही उसके लिये उन्हें मुलसमानों को अपने मंच से दूर ही क्यों ना करना पड़े। सेक्युलर दलों को पता है कि मुसलमान जायेगा भी तो कहां जायेगा, लौट के उसे तो वापस उन्हीं के पास आना है चाहे उसकी बात की जाये या उसे दरकिनार ही क्यों ना किया जाये। जाहिर है, उत्तर प्रदेश में मुसलमान बीते तीन दशक से अपनी बेहतरी, बुनियादी सुविधा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार

सांकेतिक फोटो

या खुद की लीडरशिप बनाने जैसे मुद्दों पर कभी वोट नहीं किया है। उसका वोट केवल उस दल को जाता है,

जो भाजपा को हरा सके। भाजपा को हराते हराते यूपी का मुसलमान खुद ही सियासी रूप से हार के कगार पर जा पहुंचा है। आज मुसलमान के पास उसकी अपनी कोई लीडरशिप नहीं है। उनका अपना कोई प्रेसग्रुप नहीं है। उनकी बदहाली, अशिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे मुद्दों पर कोई बात नहीं कर रहा है, वो दल भी नहीं जिन्हें उनका एकमुश्त वोट मिलता रहा है। सेक्युलर दलों को पता है कि मुसलमान हितों की बात नहीं भी की जाये तो उनका वोट तो मिलना ही है, फिर उन वर्गों को नाराज क्यों किया जाये जिनकी मजबूत लीडरशिप है और जिनके अपने प्रेसरग्रुप हैं। बीते तीन दशक में केवल भाजपा को हराने के प्रयास में मुसलमान वोटर राजनीतिक अछूत बन गया है। भाजपा के लिये तो मुसलमान हमेशा से अछूत माना जाता रहा है। भाजपा ने भी मुसलमानों के इस रवैये के चलते कभी उसके वोटों की परवाह नहीं की,

लेकिन मुसलमान अब सपा, बसपा और कांग्रेस जैसे सेक्युलर दलों की प्राथमिकता में भी नहीं है। सेक्युलर दलों को पता है कि भाजपा को हराने के लिये उनके दल को वोट देना मुसलमानों की मजबूरी है। यह अलग तथ्य है कि मुसलमानों को भाजपा राज्य में सेक्युलर दलों की अपेक्षा बिना भेदभाव के लाभ मिलता रहा है।

आंकड़े भी यही बताते हैं। दरअसल, बंटवारे के समय ज्यादातर पढ़ा-लिखा और अमीर मुसलमान पाकिस्तान चला गया और जो मध्यम वर्गीय मुसलमान भारत में रह गये, उन्होंने खुद को कांग्रेस के साथ नत्थी कर लिया, जिससे मुसलमानों की कोई लीडरशिप डेवलप नहीं हो पाई। कांग्रेस ने भी मुसलमानों का इस्तेमाल तो भरपूर किया, लेकिन मजबूत लीडरशिप तैयार करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। मुसलमानों के लिये नारे भी बहुत लगे, लेकिन उन्हें दिया कुछ नहीं गया। मंडल-कमंडल के बाद जब भारत की राजनीति ने नये दौर में प्रवेश किया तब भाजपा ने हिंदुत्व की सियासत पर खुद को केंद्रित किया और मुसलमान ने भाजपा को हराने पर। मुसलमानों की इस मनोदशा का सर्वाधिक लाभ कांग्रेस के बाद सपा और बसपा जैसे क्षेत्रीय दलों ने उठाया। उन्होंने मुसलमानों के वोट तो लिये, लेकिन आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े मुसलमानों की दशा में बदलाव के लिये कोई सकारात्मक पहल नहीं की। इन दलों में जो मुस्लिम लीडरशिप पैदा भी हुई, उन्होंने सकारात्मक राजनीति करने की बजाय केवल उत्तेजक भाषणों की सियासत की। इन भाषणों से मुस्लिम नेताओं को व्यक्तिगत फायदा तो जरूर हुआ, लेकिन इसने मुसलमानों का नुकसान ज्यादा किया। मुसलमानों को भी अपने हक-हुकूक, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसे मुद्दों की सियासत की बजाय उत्तेजक भाषणों की राजनीति ज्यादा पसंद आई। आजम खान जैसे नेता ने मुस्लिम समाज में सकारात्मक बदलाव की राजनीति करने की बजाय सारी उम्र केवल उत्तेजक भाषणों की सियासत की। अपने परिवार की पीढ़ियों को आर्थिक मजबूती देने के लिये यूनिवर्सिटी का निर्माण भी कराया तो पवित्र साधनों का उपयोग करने की बजाय उन्हीं गरीब मुसलमानों के घर कड़कड़ाती ठंड में उजड़वा दिया, जिनके वोटों पर ताकत मिली थी। आज उत्तर प्रदेश में बीस फीसदी मुसलमानों की लीडरशिप कहीं नहीं है। भाजपा को हराने की कोशिश में मुसलमान कांग्रेस, सपा और बसपा से अपने जिन नेताओं को जिताकर रहनुमाई करने को भेजता है, वह कौम के मुद्दों पर लड़ने की बजाय पॉवर के साथ चला जाता है।

बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों पर मिलेंगे वोट?

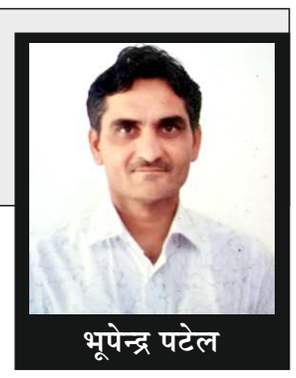

भूपेन्द्र पटेल

पिछले कुछ महीनों से रोजगार और दूसरे आर्थिक मसलों से जुड़े मुद्दे सार्वजनिक मंचों से उठ रहे हैं। अभी रेलवे की नौकरी में गड़बड़ी को लेकर बिहार से उत्तर प्रदेश तक स्टूडेंट्स का आक्रामक आंदोलन हुआ जिसके बाद सरकार को झुकना पड़ा। किसान आंदोलन भी कहीं न कहीं आर्थिक मसलों से जुड़ा था। इसके अलावा बैंकों के निजीकरण से लेकर कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर टुकड़ों में विरोध की आवाज उठती रही है। इन सबके बीच बढ़ती महंगाई और आर्थिक विषमता से जुड़ी रिपोर्ट आती रही है। खासकर कोविड महामारी का असर जिस तरह से आर्थिक स्थिति पर पड़ा, उसके साइड इफेक्ट अब दिखने लगे हैं। अभी एक रिपोर्ट भी आई जिसमें कहा गया कि पिछले पांच सालों में गरीबों की आय 53 फीसदी कम हो गई। तीन दशक में पहली बार कमाई में कमी हुई। लेकिन अमीरों की कमाई लगातार बढ़ी है। सवाल यह है कि आम लोगों और युवाओं की जिंदगी से जुड़े ये ठोस मसले चुनावों में भी उठेंगे? क्या विपक्षी दल इन मसलों पर बीजेपी और केंद्र की मोदी सरकार को दबाव में ला पाएगी? सच यही है कि इस बारे में फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। हालांकि हालात चिंताजनक हैं। आर्थिक मंदी के बीच आम आदमी की कमाई प्रभावित हुई है। कोविड के दौरान करोड़ों लोगों की जमा पूंजी साफ हो गई। पेट्रोल-डीजल की कीमतों के साथ खाने-पीने की चीजों के चढ़ते दामों ने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। सरकार के लिए चिंता की बात यह है कि समस्या तुरंत समाप्त होती भी नहीं दिख रही है। विशेषज्ञ ग्लोबल स्तर पर आर्थिक मंदी आने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। इसके असर से भारत भी अछूता नहीं रह सकता।

मुफ्त राशन योजना काफी नहीं

देखा जाए तो देश में नोटबंदी के समय से ही आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियां लगातार बढ़ती रही हैं। आर्थिक संकट एक ऐसा मुद्दा है जिससे समाज का हर तबका प्रभावित हो रहा है। हालांकि बीजेपी गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना की बदौलत इस मुद्दे को बहुत हद तक काउंटर करने में सफल रही है लेकिन उसे पता है कि इसे आगे बहुत दिनों तक जारी नहीं रखा जा सकता है और न ही सिर्फ इसी के सहारे राजनीतिक चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

दरअसल 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी आर्थिक मोर्चे पर आम लोगों की परेशानी को बड़ा मुद्दा बनाकर सामने आई थी। तब 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार' और 'बहुत हुई पेट्रोल-डीजल की मार, अबकी बार मोदी सरकार' जैसे नारों का जनमानस पर बड़ा

प्रभाव पड़ा था। सोशल मीडिया पर मनमोहन सरकार के खिलाफ अभियान चलाया गया था और इन दोनों को खराब गवर्नेंस से जोड़कर पेश किया गया था। उन चुनावों में मिली जीत के बाद मोदी सरकार को पहले टर्म में आर्थिक मोर्चे पर अधिक चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। महंगाई नियंत्रण में रही। ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल की कीमत कम रही जिसके कारण पेट्रोल-डीजल की कीमत भी खास नहीं बढ़ी। इसका लाभ फिर 2019 में मिला। लेकिन दूसरे टर्म में कोरोना के साथ ही ग्लोबल स्तर पर हो रही उठापठक भी अपना असर दिखाती रही। पिछले दिनों आए ओपीनियन पोल में भी यह बात सामने आई कि भले अभी भी अधिकतर लोग सरकार के साथ हैं लेकिन अपनी आय, महंगाई और सरकार की नीतियों को लेकर निराश लोगों की तादाद तेजी से बढ़ी है। युवाओं के बीच बेरोजगारी को लेकर असंतोष भी बढ़ा है।

तो क्या अगले कुछ सालों में आर्थिक मुद्दे सियासत की मुख्यधारा के केंद्र में आएंगे और विपक्ष इस मुद्दे पर बीजेपी को घेरने में सफल होगा? विपक्ष के नेता अभी के हालात को 1990 में अमेरिका के हालात से जोड़कर बताते हैं कि जब वहां खाड़ी युद्ध में मिली जीत के बाद जॉर्ज बुश लोकप्रियता के शिखर पर थे तब बिल क्लिंटन ने 'इट्स द इकॉनमी स्टुपिड' का नारा देकर पूरे चुनाव को आर्थिक मुद्दे पर शिफ्ट कर दिया था। इसमें उन्हें अप्रत्याशित रूप से सफलता मिली।

कहां है विपक्ष का विजन

कुछ सालों से राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मिश्रण से बने भावनात्मक माहौल और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के मेल ने चुनावी मैदान में बीजेपी को अजेय सा बना दिया। विपक्ष बीजेपी की इस घेरेबंदी को भेदने का नुस्खा अब तक तलाश नहीं पाया है। ऐसे में पूरी लड़ाई को आर्थिक मसलों पर केंद्रित करना उसे सबसे ज्यादा फायदेमंद लग रहा है।

इसी संदर्भ में अमेरिका के बिल क्लिंटन का उदाहरण उसका ध्यान खींच रहा है। लेकिन यह आसान नहीं है। पहली दिक्कत यह है कि विपक्ष अपने अंतर्विरोधों से अब तक नहीं निबट पाया है। दूसरी बात विपक्ष मुद्दा तो सामने ला रहा है लेकिन इसके साथ अपना विजन नहीं ला पा रहा है। इस वजह से उसका कोई पैरलल नैरेटिव नहीं बन पा रहा।

चुनाव विश्लेषक यशवंत देशमुख कहते हैं कि मुद्दे दो तरह के होते हैं। एक, जीवन से जुड़े और दूसरे चुनाव में उठे। अक्सर दोनों मुद्दे अलग-अलग होते हैं। यशवंत देशमुख के अनुसार जीवन से सीधे जुड़े मुद्दों को चुनावी मुद्दों में तब्दील करने के लिए कई फैक्टर की जरूरत होती है।

वे मिसाल देते हैं कि महंगाई या बेरोजगारी को मुद्दा बनाकर ही सरकार को नहीं घेरा जा सकता है। यह बताना होगा कि इसके लिए कैसे सत्ता पक्ष जिम्मेदार है। जैसा कि 2013 में यूपीए सरकार को लेकर बताया गया कि करप्शन के कारण हालात खराब हो गए। अभी के हालात के बारे में वह बताते हैं कि महंगाई तकलीफ दे रही है लेकिन लोगों को उम्मीद अभी भी है कि मौजूदा सरकार चीजों को ठीक कर सकती है। साफ है कि अगर इन मुद्दों पर चुनौती देनी है तो विपक्ष को सिर्फ शिकायत करने के बजाय विकल्प और विजन के साथ सामने आना होगा।

पश्चिम रेलवे ने 73वे गणतंत्र दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम

गणेश पाण्डेय।

मुंबई देश का 73वां गणतंत्र दिवस पश्चिम रेलवे के मुख्यालय पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मनाया गया। महाप्रबंधक ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में समारोहिक परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। कंसल ने इस पावन अवसर पर रेलकर्मियों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए सभा को संबोधित किया। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक आलोक कंसल का स्वागत पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी. सी. सिन्हा ने किया इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा तनुजा कंसल, अपर महाप्रबंधक सहित प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक कार्यक्रम मे बोलते हुए रेल कर्मचारियों से दर्शन के सिद्धांतों के साथ-साथ क्वालिटी चार्टर में शामिल मानकों को दैनिक कामकाज में लगन और प्रभावी ढंग से शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अग्रणी और लीक से हटकर सोच के कारण पश्चिम रेलवे की दो नवीन अवधारणाओं ने वर्ष 2020-21 के लिए रेल मंत्रालय के सर्वश्रेष्ठ नवाचारों की सूची में पहला और तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके अलावा 66वें राष्ट्रीय रेल पुरस्कार, 2021 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे ने चार रेलवे बोर्ड दक्षता शील्डे अर्थात व्यापक स्वास्थ्य देखभाल शील्ड, सिविल इंजीनियरिंग निर्माण शील्ड, कार्मिक प्रबंधन शील्ड और लेवल क्रॉसिंग और रोड ओवर/अंडर ब्रिज सेफ्टी वर्क्स शील्ड प्राप्त की हैं तथा 7 अधिकारियों/कर्मचारियों को रेल मंत्री पुरस्कार मिला है। उल्लेखनीय है कि भारत के माननीय राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक-वलसाड श्री ओमप्रकाश डागर को सराहनीय एवं विशिष्ट सेवा के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया है। कंसल ने कहा किया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे में विभिन्न समारोह आयोजित किए गए हैं मुंबई उपनगरीय खंड में हार्बर लाइन पर 44 अंधेरी सेवाओं को गोरेगांव तक बढ़ा दिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड में अतिरिक्त 16 एसी सेवाएं भी शुरू की गई हैं, जिससे कुल एसी सेवाएं 28 प्रतिदिन हो गई हैं।

अब पश्चिम रेलवे मुंबई उपनगरीय खंड पर प्रतिदिन 1375 सेवाएं चला रहा है। महाप्रबंधक ने आगे कहा कि पश्चिम रेलवे हंगरी फॉर कार्गो के सिद्धांत को लागू करके नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मौजूदा परिदृश्य के बावजूद पश्चिम रेलवे ने चालू वित्त वर्ष के सिर्फ छह महीनों में माल ढुलाई राजस्व में 5000 करोड़ रुपये अर्जित करने की उपलब्धि हासिल की। साथ ही, 68 मिलियन टन से अधिक का लदान हासिल किया गया है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के लदान से 9% से अधिक है। इसी तरह पार्सल सेगमेंट में पश्चिम रेलवे ने लगभग 209 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है जो गत वर्ष से 73% अधिक है। पिछले साल की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान, पश्चिम रेलवे ने दिसंबर 2021 तक 11,279 करोड़ रुपये की कुल प्रारम्भिक आमदनी हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में प्रारम्भिक आमदनी से 34% अधिक है। श्री कंसल ने बताया कि पश्चिम रेलवे हरित रेलवे और स्वच्छ रेलवे की दिशा में बड़ी प्रगति कर रहा है।

इस दिशा में वर्ष 2021-22 के दौरान पश्चिम रेलवे पर रिकॉर्ड 210 रूट किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है। पश्चिम रेलवे मिशन 100% विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। पश्चिम रेलवे पर एक अनूठी और अपनी तरह की पहली पहल में साबरमती स्टेशन पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन शुरू किए गए हैं। मुंबई सेंट्रल डिवीजन ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशनों के प्रावधान के लिए भी पहल की है। पश्चिम रेलवे ने ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2021 में दो पुरस्कार प्राप्त किए। राजकोट में पश्चिम रेलवे के मंडल रेलवे अस्पताल ने अस्पताल क्षेत्र संस्थान श्रेणी में दूसरा पुरस्कार जीता। चित्तौड़गढ़ स्टेशन को आईजीबीसी गोल्ड स्टैंडर्ड रेटिंग से सम्मानित किया गया है। मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल को ग्रीन हेल्थ केयर सुविधाओं के लिए प्लेटिनम रेटिंग से मान्यता दी गई है। कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में पश्चिम रेलवे मरीजों के इलाज के लिए हर संभव प्रयास करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है। आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम रेलवे ने अपने सभी रेलवे अस्पतालों में 8 पीएसए आधारित ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र चालू किए हैं। पश्चिम रेलवे के कुल पात्र कर्मचारियों में से लगभग 100% को टीके की पहली खुराक दी गई है जबकि 94% को दोनों खुराकें दे दी गई हैं। इसके अलावा पश्चिम रेलवे ने जगजीवन राम अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए बूस्टर खुराक और 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए टीकाकरण शुरू किया है। सुरक्षा में वृद्धि के लिए पश्चिम रेलवे के 65 स्टेशन सीसीटीवी से लैस हैं। मुंबई उपनगरीय खंड पर 2700 से अधिक हाई डेफिनिशन कैमरे उपलब्ध कराए यात्रियों के लिए अपना खोया हुआ सामान वापस पाना आसान बनाने के लिए आरपीएफ ने मिशन अमानत की एक नई पहल शुरू की है। स्किल इंडिया मिशन में प्रगति की बड़ी छलांग लगाते हुए पश्चिम रेलवे के चार प्रशिक्षण संस्थान रेल कौशल विकास योजना के तहत मशीनिस्ट, फिटर, इलेक्ट्रीशियन और वेल्डर के ट्रेडों में पात्र उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर नगर रहिवाशी सेवा संघ, भाईदर पश्चिम की ओर से 26 जनवरी , प्रजासत्ताक दिन बडी संख्या मे राहिवासीयो की उपस्थिति मे मनाया गया, इस समय संघ के पदाधिकारी विट्ठलभाई हरिजन सोलंकी , अशोक सोलंकी, हिरा सोलंकी, राजेश, सोलंकी, रवी जाधव, पत्रकार भालचंद्र कांबली और उपस्थित अन्य मान्यवरो ने प्रजासत्ताक दिन का महत्व और देशवासी का हक्क और कर्तव्य की जानकारी दी।

सोशल मोबाइल एप्स की सेवाओं श्रेणी मे मीरा भाईदंर मनपा अव्वल

मुंबई तंरग संवाददाता ।

भाईदंर मीरा भाईदंर मनपा महाराष्ट्र में 27 महानगर पालिका की सूची में सबसे ऊपर है सर्वेक्षण पुणे स्थित नीति अनुसंधान संगठन द्वारा आयोजित किया गया था

ज्ञात हो कि मीरा भायंदर मनपा सोशल मीडिया और MyMBMC ऐप के माध्यम से शहर के नागरिकों को बुनियादी सेवाएं प्रदान की हैं, सर्वेक्षण के अनुसार, मीरा भायंदर मनपा को राज्य के 27 पालिकाओं में पहले स्थान पर रखा गया है। पुणे स्थित नीति अनुसंधान संगठन ने राज्य के शहरों में ई-गवर्नेंस की वर्तमान स्थिति पर एक अध्ययन मे पाया गया गत पिछले वर्ष 1 नवंबर से 31 दिसंबर 2021 तक एनएमसी की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, सोशल मीडिया हैंडल के उपयोग पर विचार किया गया। इसमें शामिल है कि कितनी नगरपालिका सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। क्या निगम के मामलों में पारदर्शिता है, क्या निगम ने खुद से ऑनलाइन जानकारी प्रकाशित की है, निगम की वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करना कितना आसान और सुविधाजनक है। सोशल मीडिया कितना प्रभावी है जैसे विषयों पर सूचनाओं को संकलित करके सूचकांक का संकलन किया जाता है।सुघोष जोशी और साक्षी सोहोनी के नेतृत्व में 11 लोगों के एक समूह ने तीन महीने की अवधि के लिए परियोजना पर काम किया है। नियमित कोविड टीकाकरण सत्रों का प्रचार, नियमित कोरोना रोगी रिपोर्टिंग, निगम द्वारा कार्यान्वित विभिन्न पहलों का प्रचार, समीक्षा बैठकें, जल आपूर्ति विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण जानकारी, नागरिकों से विभिन्न प्रकार की अपील, ग्राफिक डिजाइन के माध्यम से अपील / जन जागरूकता। नीति अनुसंधान संगठन द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में सोशल मीडिया सेवाएं प्रदान करने वाली राज्य की 27 नगर पालिकाओं में भयंदर नगर निगम को 10 में से 10 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं, मायएमबीएमसी एप के जरिए शहर के नागरिकों को मूलभूत सेवाएं मुहैया कराने में मीरा भायंदर नगर निगम को राज्य के 27 नगर निगमों में पहला स्थान मिला है. ऑनलाइन संपत्ति कर भुगतान, पानी के बिल भुगतान, पदाधिकारियों की जानकारी, शहर की सुविधाओं के बारे में जानकारी, टीकाकरण कार्यक्रम, शिकायत पंजीकरण, नए प्लंबिंग आवेदन, स्वीकृत निर्माण जानकारी आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं माईएमबीएमसी ऐप पर ऐप के माध्यम से उपलब्ध हैं और अधिक प्रयास किए जाएंगे। भविष्य में और अधिक बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए निगम द्वारा किया गया है। मीरा भायंदर नगर निगम ने भी पुणे नगर निगम के साथ अंकों का मिलान कर राज्य के सभी नगर निगमों में सेवाएं प्रदान करने में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महापौर ज्योत्सना हस्नाले एवं आयुक्त दिलीप ढोले ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और जनसंपर्क विभाग को बधाई दी. साथ ही, मीरा भायंदर शहर के नागरिकों ने MyMBMC ऐप, सोशल मीडिया, नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं और पारदर्शी प्रबंधन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इस अवसर पर शहर की महापौर और कमिश्नर ने शहर की जनता का शुक्रिया अदा किया है।।

एंबुलेंस ना मिलने पर 6 साल के बच्चे का शव मोटरसाइकिल पर लेकर गया पिता! महाराष्ट्र में फिर शर्मसार इंसानियत

पालघर: महाराष्ट्र के आदिवासी जिले पालघर से मानवता को शर्मसार करने वाला वाकया सामने आया है। जिले के मोखाडा इलाके के एक सरकारी अस्पताल में एक बाप को अपने 6 साल के बेटे का शव ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिली। जिसकी वजह से हालात के मारे मजबूर बाप को अपने जिगर के टुकड़े के शव को बाइक पर ले जाना पड़ा। यह घटना मंगलवार की है, भले ही महाराष्ट्र सरकार ग्रामीण विकास के लिए अलग-अलग योजनाएं और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे करती हो लेकिन हकीकत बिल्कुल उलट है। दिल को झकझोर देने वाली इस घटना के बाद से पालघर जिले में सरकारी दावों की पोल खुल चुकी है। सरकारी अस्पताल में मासूम की मौत पीड़ित पिता पारधी के मुताबिक 22 जनवरी को उनके 6 साल के बेटे अजय को बुखार आया था। जिसके बाद परिजन उसे त्रयंबकेश्वर स्थित प्राइवेट अस्पताल में लेकर गए थे। एक दिन के इलाज के बाद हालत में सुधार नहीं हुआ तो डॉक्टरों ने मासूम बच्चे को सरकारी अस्पताल में ले जाने के लिए कहा। डॉक्टरों की सलाह के बाद परिजनों ने उसे पालघर के मोखाडा इलाके के कुटरी सरकारी अस्पताल में भर्ती किया था। 25 जनवरी की रात नौ बजे इलाज के दौरान अजय ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अवैध शराब बेचने वाले ढाबा मालिकों पर कार्रवाई

वाड़ी(नागपुर)। वड़धामना में अवैध शराब की ब्रिकी करने वाले एक ढाबे पर पुलिस ने कार्रवाई की जिससे अवैध शराब बेचने वालों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जनवरी को दोपहर करीब 12.45 बजे ढाबा मालिक रणजीत सिंह भूपेंद्रसिंह काला (46) निवासी वाड़ी वडधामना अपने राजू ढाबा, अमरावती रोड पर अवैध रूप से शराब बेच रहा था। यह सिलसिला कई सालों से चल रहा है। 26 जनवरी को ड्राय डे के दिन भी वह अवैध रूप से शराब बेच रहा था। जैसे ही वाड़ी की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ललिता तोडासे को गुप्त सूत्र के माध्यम से जानकारी मिली, तो डीबी दस्ते को मौके पर भेजा। वाड़ी डीबी प्रभारी एपीआई ज्ञानेश्वर धवले मौके पर पहुंचे और ढाबा मालिक आरोपी रंजीत सिंह भूपेंद्रसिंह काला (46) को अवैध शराब ब्रिकी करते पाया। देशी दारू की 180 एमएल की 67 बोतलें, इंपीरियल ब्लू की 7 बोतलें, रॉयल स्टैग की 2 बोतल सहित 5,430 रुपए का माल बरामद किया गया। महाराष्ट्र दारू पाबंदी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई एपीआई ज्ञानेश्वर धावले के नेतृत्व में एचसी तुलसीदास शुक्ला, पो. शि. गोपाल, दुर्गादास, चमाटे मेजर ने की।

कार्रवाईः अतिक्रमण दस्ता पहुंचते ही दुबई मार्केट में मची अफरा-तफरी

नागपुर। प्रशासकीय भवन परिसर के दुबई मार्केट में उस समय दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई, जब मनपा का अतिक्रमण दस्ता वहां पहुंचा। दुकानदारों ने खाली जगह और फुटपाथ पर दुकानें लगाकर अतिक्रमण कर रखा था। राहगीरों को रास्ते और फुटपाथ से आवागमन में दिक्कत हो रही थी। अतिक्रमण दस्ते ने दुकानों का अतिक्रमण हटा दिया। कार्रवाई के दौरान 5 ठेले जब्त किए गए। लक्ष्मी नगर जोन में 36 अतिक्रमण हटाए लक्ष्मी नगर जोन में खामला चौक से सावरकर नगर, त्रिमूर्ति चौक, लक्ष्मी नगर चौक, देव नगर, रहाटे कॉलोनी, रामदासपेठ में सड़क और फुटपाथ पर बसे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई। 36 अतिक्रमण हटाए गए। एक ट्रक सामान जब्त किया गया।

मामला दर्जः कचरा गाड़ी देर से आई तो पार्षद के पति ने कर दी पंक्चर

नागपुर। महिला पार्षद के पति के खिलाफ सक्करदरा थाने में असंज्ञेय प्रकरण दर्ज किया गया। आरोप है कि, कचरा गाड़ी देर से आने के कारण कचरा उठाने वाले के साथ गाली-गलौज कर उसकी गाड़ी पंक्चर कर दी। गाड़ी चालक अमित बारई है। अमित गुरुवार को सुबह 11.50 बजे वह नेहरू नगर में कचरा उठाने गया था। महिला पार्षद के पति दीपक धुरड़े का कहना था कि, वह कचरा उठाने देरी से आया इसलिए उससे गाली-गलौज की और गाड़ी का एक चक्का पंक्चर किया। इसके बाद शेष चक्कों की भी हवा निकाली गई। जिससे मामला थाने पहुंचा। असंज्ञेय श्रेणी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हाईवे की बदहाली की रिपोर्ट 15 दिन में दें

नागपुर। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने अमरावती-बडनेरा हाईवे की दुर्दशा पर 15 दिन में रिपोर्ट देने का आदेश एनएचएआई को दिया है। न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे और न्यायमूर्ति अनिल पानसरे की दो सदस्यीय खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान महामार्ग निर्माणकार्य और वर्तमान स्थिति पर सविस्तार रिपोर्ट देने का आदेश दिया। अमरावती से मलकापुर और अमरावती से नागपुर तक हाईवे की बदहाली को लेकर वरिष्ठ अधि. अरुण पाटील ने जनहित याचिका दायर की है। इस मामले में एनएचएआई ने दायर अपने हलफनामे में जानकारी दी है कि, अमरावती से मलकापुर मार्ग पर भारी वाहनों की भारी संख्या के चलते मरम्मत नहीं हो सकती है।

डिप्टी सीएम अजीत पवार की मौजूदगी में कांग्रेस के 27 पार्षद एनसीपी में शामिल

मुंबई, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के 27 पार्षद आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो गए। मालेगांव की मेयर ताहिरा शेख भी एनसीपी में शामिल हो गई है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में शिवसेना कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाकर सरकार चला रहे हैं। इन पार्टियों के नेताओं के बीच अक्सर अनबन की खबरें सामने आती रहती हैं। कई बार तो ऐसी स्थितियां भी पैदा हो गई हैं कि जब लगने लगता है कि ये अघाड़ी गठबंधन बस टूटने ही वाला है। बीते कुछ समय पर नजर डाली जाये तो कांग्रेस के बहुत से नेता एनसीपी में शामिल हुए हैं। ऐसे में गठबंधन टूटने की अफवाह सामने आती रहती है। मिली जानकारी के अनुसार मालेगांव नगर निगम में कुल 84 सीटें हैं। 2017 के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस 30 सीटें पाकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। दूसरे स्थान पर 20 सीटों के साथ राकांपा रही थी। भाजपा को नौ एवं शिवसेना को 12 सीटें मिली थीं। जबकि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को सात सीटें हासिल हुई थीं। अब मालेगांव नगर निगम अगले चुनाव की तैयारी में है। उससे ठीक पहले राकांपा ने कांग्रेस को यह करारा झटका दिया है।

पश्चिम रेलवे की महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा अस्पताल मरीजों की मदद

गणेश पाण्डेय।

मुंबई पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) ने रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हमेशा निःस्वार्थ मदद की है। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा तनुजा कंसल के नेतृत्व में पश्चिम रेलवे पर ऐसे कई कल्याणकारी कार्य किए गए हैं। इस तरह के एक और उदाहरण के रूप में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने रोगियों के लाभ के लिए पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल को उदार भेंटें प्रदान की हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने जगजीवन राम अस्पताल के रोगियों के लाभ के लिए एक एम्बुलेंस ऑटोलोडिंग स्ट्रेचर सह व्हील चेयर और 15 स्टील कैसरोल दानस्वरूप भेंट किए। एम्बुलेंस ऑटो लोडिंग स्ट्रेचर सह व्हील चेयर रोगियों के आसान और त्वरित परिवहन में बहुत फायदेमंद होगी जबकि स्टील के कैसरोल मरीजों के भोजन को गर्म और ताजा रखना सुनिश्चित करेंगे। ये आइटम वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए बहुत ही उपयोगी और सुविधाजनक होंगे और इसी को ध्यान में रखते हुए अस्पताल को दान किए गए हैं। जगजीवन राम अस्पताल की चिकित्सा निदेशक ने रोगियों और अस्पताल के कर्मचारियों की ओर से पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की श्रीमती तनुजा कंसल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इन उपयोगी वस्तुओं के द्वारा रोगियों की सुविधा में वृद्धि होगी।पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) ने ऐसे कई सराहनीय कल्याण कार्य किए हैं और पश्चिम रेलवे कर्मचारियों की विविध और असंख्य कल्याण आवश्यकताओं को पूरा किया है। इससे पहले संगठन द्वारा जगजीवन राम अस्पताल को एक स्ट्रेचर ट्रॉली तथा विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों और अस्पतालों को वाटर प्यूरीफायर, वाटर कूलर और स्मार्ट टीवी भी प्रदान किए गए हैं और आरपीएफ कर्मचारियों को प्वाटर डिस्पेंसर और कपबोर्ड प्रदान किए गए हैं। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने विभिन्न महिला स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूकता सेमिनार सहित महिला कर्मचारियों के लिए कई स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए हैं। संगठन ने ललित कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दिया है। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा के तत्वावधान में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा की गई नेक सेवाओं और सराहनीय कल्याण कार्यों के सम्मान में उन्हें नवराष्ट्र महिला अचीवर्स अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों के अंतर्गत पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ की जाती हैं।

मध्य रेल ने 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

गणेश पाण्डेय।

मुंबई मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी की उपस्थिति मे गणतंत्र दिवस के अवसर पर गणतंत्र दिवस पर मध्य रेल मुख्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अनिल कुमार लाहोटी ने सभी रेल कर्मियों, उनके परिवारों और सम्मानित ग्राहकों को हार्दिक बधाई दी. उन्होंने कहा कि पिछले दो साल मानवता के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट के समय में रेलवे के डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स स्टाफ ने निःस्वार्थ भाव से रेल कर्मियों की सेवा की जिससे रेल के पहिये को चालू रखने में मदद मिली है।महाप्रबंधक ने कहा कि कोविड महामारी के बावजूद मध्य रेल ने माल ढुलाई, पार्सल राजस्व और टिकट जांच और बुनियादी ढांचे के उन्नयन में कई उपलब्धियां हासिल की हैं. उन्होंने यह भी कहा कि मध्य रेल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन, यात्री सुविधाएं, सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। लाहोटी ने मध्य रेल की हॉकी खिलाड़ी सुश्री वंदना कटारिया को पद्मश्री पुरस्कार सम्मान की घोषणा होने बधाई दी। मीनू लाहोटी, अध्यक्षा, मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मेमोरियल अस्पताल, भायखला में विभिन्न सुविधाओं का उद्घाटन किया और अस्पताल के कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए पुरस्कार वितरित किए।इस अवसर पर मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी एवं नागरिक सुरक्षा प्रकोष्ठ के कलाकारों द्वारा पर्यावरण पर नृत्य-नाटक "हवाओं के रुख" प्रस्तुत किया।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन सोशल डिस्टेंसिंग और कोविड के मानदंडों का पालन करते हुए किया गया था और इसका सीधा प्रसारण मध्य रेल के फेसबुक पेज और यूट्यूब चैनल पर किया गया था।

निजी जीवन और काम में पारदर्शिता क्यों महत्वपूर्ण है?

कार्यक्षेत्र में या व्यक्तिगत जीवन में पारदर्शी व्यवहार समग्र संबंधों की मजबूती को डिजाइन करने में बेहतर मूल्य जोड़ सकता है। पारदर्शिता के बिना कोई भी रिश्ता कमजोर और संदिग्ध लगता है। और ऐसे संबंधों का भविष्य नाजुक होता है। पारदर्शिता एक सफल और लंबे समय तक चलने वाले संबंध के लिए खुलापन और विश्वास पैदा करती है।

सच कड़वा हो सकता है, इसलिए कई बार पारदर्शिता थोड़ी कठिन हो सकती है लेकिन आने वाले दिनों में कई सार्थक फायदे ला सकती है। नीचे हम पारदर्शिता विकसित करने के कुछ फायदे सूचीबद्ध करते हैं। कुछ लाभ कार्य से संबंधित हो सकते हैं और कुछ व्यक्तिगत और कार्य संबंधों दोनों से संबंधित हो सकते हैं।

यह बंधन को मजबूत कर सकता है।

यह संचार और सहयोग की संस्कृति में सुधार करता है लेकिन इसके लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। आप किसी भी रिश्ते में अधिक सुलभ हो जाते हैं।

कर्मचारी जुड़ाव बढ़ाने में मदद करता है।

जब हम काम के बारे में बात करते हैं तो पारदर्शिता कर्मचारी की नियुक्ति के लिए दो मुख्य अवयवों के लिए मंच तैयार करने में मदद करती है जो कर्मचारी मान्यता और संतुष्टि हैं। मान्यता का अर्थ न केवल उपहार कार्ड और सितारे हैं बल्कि कर्मचारियों को संगठन में उनके योगदान को जानने में मदद करना है। इससे कंपनी के मिशन में फर्क पड़ता है। यह उन्हें उनकी प्रतिक्रिया और विचार निर्माण में अधिक सकारात्मक और उत्पादक बनाता है।

संचार सुधार।

यह व्यक्तिगत हो या काम से संबंधित यह एक अच्छा संचार बूस्टर होगा।

यह दक्षता के साथ किसी भी समस्या को हल करने में मदद करेगा। यह धारणाओं से बचने और किसी लक्ष्य को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।

आप पारदर्शिता कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

पारदर्शिता के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने से आपको यह जानने में मदद मिलती है कि आप आज कहां हैं, आप क्या हासिल करना चाहते हैं और वहां पहुंचने के लिए क्या करने की जरूरत है। पारदर्शिता प्राप्त करने में आपकी सहायता के लिए यहां कुछ युक्तियां दी गई हैं।

समय पर संचार।

किसी घटना या स्थिति के संचार की प्रतीक्षा न करें क्योंकि कुछ भी संप्रेषित करने की आवश्यकता है। कोई अंतिम मिनट का संचार भी न करें।

जैसा है वैसा ही संवाद करें।

अपने संचार को मसाला न दें केवल वास्तविक संवाद करें। अधूरा संचार भी न करें। सुनिश्चित करें कि वह सब कुछ जो महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण है, संप्रेषित किया जाता है।

पारदर्शिता आपके संगठन और व्यक्तिगत जीवन में समग्र विश्वास और ईमानदारी को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है यह कई समस्याओं को हल करती है और यहां तक कि आपदाओं को होने से पहले ही रोक देती है।

सावधान-हाथों-पैरों में ऐसे लक्षण का मतलब शरीर में आयरन की है कमी, तुरंत हो जाएं अलर्ट वरना बढ़ सकता है खतरा

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना सबसे आवश्यक माना जाता है। पौष्टिक आहार का मतलब, ऐसी चीजों का सेवन जिससे शरीर के लिए आवश्यक

मैक्रोन्यूट्रिएंट्स की आसानी से पूर्ति की जा सके। जब हम स्वस्थ शरीर की बात करते हैं, तो इसके लिए कुछ पोषक तत्वों की सबसे अधिक आवश्यकता होती है- आयरन उनमें से एक है। आयरन वह मूल घटक है जो शरीर को हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। हीमोग्लोबिन, लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को पूरे शरीर के ऊतकों और अंगों तक पहुंचाता है। यदि शरीर में आयरन की कमी हो जाए तो ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचने में दिक्कत हो सकती है, जो सेहत के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बनती है।

शरीर में आयरन की कमी का पता लगाने के लिए आमतौर पर खून की जांच कराने की सलाह दी जाती है, पर क्या आप जानते हैं कि शरीर में दिखने वाले कुछ संकेतों के आधार पर भी आसानी से इसका पता लगाया जा सकता है? आइए हाथों और पैरों में आयरन की कमी के कारण दिखने वाले संकेतों के बारे में जानते हैं जिनके आधार पर समस्या का आसानी से निदान किया जा सकता है?

आयरन की कमी के सामान्य लक्षण क्या हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर में आयरन की कमी के कारण लोगों को एनीमिया की समस्या हो सकती है। अक्सर प्रारंभिक अवस्था में लोगों का इस तरफ ध्यान नहीं जाता है जिसके कारण बाद में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। आयरन की कमी के एनीमिया से संबंधित इन लक्षणों पर सभी को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

त्वचा में पीलापन

दुर्बलता और कमजोरी

सिर दर्द- चक्कर आना

अत्यधिक थकान महसूस करते रहना।

शरीर में सूजन, जीभ में दर्द बना रहना

भूख कम लगना।

हाथों-पैरों का ठंडा हो जाना

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक आयरन की कमी के सामान्य लक्षणों के अलावा कुछ लोगों को हाथों और पैरों में भी इसके संकेत महसूस हो सकते हैं। जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी होती है उनके हाथ और पैर अक्सर ठंडे बने रहते हैं। यदि आपको भी लगातार इस तरह की समस्या का अनुभव होता है तो इस बारे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके समस्या का निदान कराना आवश्यक हो जाता है।

क्यों होता है शरीर में आयरन की कमी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे कई कारण है जिनके चलत शरीर में इस बेहद आवश्यक मैक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी हो सकती है। रक्त में मौजूद लाल रक्त कोशिकाओं के भीतर आयरन होता है, कई स्थितियों में शरीर से खून ज्यादा निकल जाने के

कारण आयरन की कमी हो सकती है। माहवारी के कारण महिलाओं को आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का खतरा अधिक होता है।

इसके अलावा भोजन में पौष्टिकता और आयरन वाली चीजों की कमी के कारण भी इस समस्या का खतरा बढ़ जाता है।

आयरन की पूर्ति कैसे करें?

अध्ययनों से पता चलता है कि यदि हम अपने आहार को सही कर लें तो शरीर में आयरन की कमी को आसानी से पूरा किया जा सकता है। इसके लिए उन चीजों का अधिक से अधिक सेवन किया जाना चाहिए जिसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। रेड मीट और पोल्ट्री, समुद्री भोजन, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, सूखे मेवे, जैसे किशमिश और खुबानी आदि को आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

आहार में कर लें बस यह एक बदलाव, हृदय रोग और कैंसर जैसी समस्याएं रहेंगी दूर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने में आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हम जिस तरह की चीजों का सेवन करते हैं शरीर पर उसका सीधा असर होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को पौष्टिक और स्वस्थ आहार के अधिक से अधिक सेवन की सलाह दी जाती है। हाल के वर्षों में लोगों में कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे गए हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि अकेले हम अपने आहार में ही सुधार कर लें तो कई सारी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से आसानी से बचाव किया जा सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियों को आहार में शामिल करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

पत्तेदार हरी सब्जियां वर्षों से स्वस्थ आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। ये विटामिन, खनिज और फाइबर से भरी हुई होती हैं, ऐसे में

शरीर के लिए इनका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। हरे पत्तेदार साग और सब्जियों से भरपूर आहार खाने से मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य की समस्या के जोखिम को कम करने सहित कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

हरी पत्तेदार सब्जियों और साग का सेवन करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें भी पालक का सेवन करना विशेष लाभदायक माना जाता है। पालक में आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, फोलिक एसिड और कैल्शियम सहित कई विटामिन और पोषक तत्व होते हैं। साल 2016 में अध्ययनों की समीक्षा से पता चलता है कि पालक अल्जाइमर रोग को बढ़ने से रोकने में मदद कर सकता है। इसमें कैरोटेनॉयड्स भी होते हैं, जिसे आंखों की बीमारियों को रोकने और आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मददगार माना जाता है।

कैंसर का खतरा होगा कम

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कैंसर जैसे रोगों के विकास को कम करने में सहायक माना जाता है, इसके लिए पत्तागोभी सबसे लाभदायक विकल्प हो सकता है।

पत्तागोभी में सल्फोराफेन होता है, यह यौगिक कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है। साल 2019 के एक अध्ययन से पता चलता है कि सल्फोराफेन, स्तन कैंसर के जोखिम को कम कर सकता है।

यह कैंसर के इलाज के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली रेडिएशन थेरपी के दौरान कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से भी बचाने में भी सहायक है।

हृदय रोगों का खतरा होता है कम

हरी पत्तेदार साग, वसा में कम और डाइट्री फाइबर में उच्च होते हैं। इसके अलावा इसमें फोलिक एसिड, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन सी और फाइटोकेमिकल्स भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि प्रतिदिन हरी पत्तेदार चीजों को आहार में शामिल करके हृदय रोग के जोखिम को 11 फीसदी तक कम किया जा सकता है।

शरीर में सूजन को बढ़ा देती हैं ये चीजें, बढ़ सकती है जोड़ों में दर्द की समस्या

अध्ययनों से पता चलता है कि हम जिस प्रकार के आहार का सेवन करते हैं, शरीर पर उसका उसी तरह से प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को ऐसी चीजों के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर को कोई नुकसान न होने पाए। गठिया की स्थिति में शरीर में सूजन हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ चीजों का अधिक सेवन करना आर्थराइटिस की समस्या को बढ़ा सकता है। यही कारण है कि जिन लोगों को पहले से ही जोड़ों में दर्द या आर्थराइटिस की समस्या हो उन्हें शरीर में सूजन बढ़ाने वाली चीजों से दूरी बनाकर रखने की सलाह दी जाती है। डॉक्टर्स का मानना है कि अगर हम अपने आहार को ठीक कर लें तो ज्यादातर स्वास्थ्य समस्याओं को आसानी से ठीक किया जा सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं जो शरीर में इंफ्लामेशन को बढ़ावा देकर गठिया के लक्षणों को और भी गंभीर बना सकते हैं। ऐसी चीजों से समय रहते दूरी बना लेनी चाहिए। बहुत ज्यादा तले हुए खाद्य पदार्थ

मायो क्लीनिक के शोध के अनुसार, रुमेटीइड आर्थराइटिस और आंत के माइक्रोबायोम के बीच संबंध होता है। विशेषज्ञों ने पाया कि आंत में गुड और बैड बैक्टीरिया के बीच असंतुलन रूमेटोइड आर्थराइटिस के लक्षणों को खराब कर सकते है। विशेषज्ञों के अनुसार, संतृप्त और ट्रांस वसा वाले खाद्य पदार्थ जैसे कि अधिक तले हुए खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन करने से गट माइक्रोबायोम का संतुलन गड़बड़ा सकता है जिसके कारण आपके जोड़ों में समस्या बढ़ सकती है।

शराब का सेवन

किसी भी रूप में मादक पेय को स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। शराब जैसी चीजों के सेवन के कारण गाउट की समस्या हो सकती है जोकि आर्थराइटिस की स्थिति को गंभीर बना सकती है।गाउट भी गठिया का एक रूप है जो यूरिक एसिड के निर्माण के कारण होता है। इसके कारण जोड़ों में सूजन, दर्द और कसाव की समस्या हो सकती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह उन्नतिदायक, उत्तरोत्तर वृद्धिदायक रहेगा। कार्यो को गति मिलेगी और लंबे समय से अटके हुए कार्यो को किसी की सहायता से पूरा करने में सफल होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने की प्रति सचेत रहें। किसी भी कार्य को कल पर न टालें। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह लाभदायक है।

वृषभ : सप्ताह ठीक है। किसी भी कार्य को लेकर उचित निर्णय लेने में परिवार के वरिष्ठजन या अनुभवी लोगों की सहायता जरूर लें। बिना सोचे-समझे संपत्ति संबंधी कार्य करना अनुचित रहेगा। इसी प्रकार किसी को धन उधार देना भी आपकी ही समस्या बढ़ा सकता है। पारिवारिक जीवन संतुलित रहेगा। स्वजन से चल रहा मनमुटाव दूर होगा।

मिथुन : कार्यो को गति देने के लिए स्वयं को प्रयास करने होंगे। किसी भी अनुभवी व्यक्ति के अनुभवों का लाभ लेने में पीछे न रहें। नए कार्य प्रारंभ करने के लिए सप्ताह शुभ है। व्यर्थ की भागदौड़ कम होगी और आराम मिलेगा। परिवार के लोगों के साथ मेलजोल बढ़ेगा। उनके सहयोग से मानसिक सुख-शांति प्राप्त होगी।

कर्क : आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। कार्यो को पूरा करने के लिए अधिक दौड़धूप नहीं करनी होगी। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम शीघ्र पूरा होने के योग हैं। किसी भी कार्य को टालें नहीं, यदि अवसर आए तो उसे अवश्य पूरा कर लें। नए कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है।

सिंह : राशि स्वामी सूर्यदेव की कृपा आप पर बनी रहेगी। पारिवारिक, सामाजिक जीवन में कोई सम्मान प्राप्त होगा। जीवन की बाधाएं इस सप्ताह दूर होने के योग हैं। कार्यो को गति मिलेगी। कहा जा सकता है किइस सप्ताह आप वो सब प्राप्त कर लेंगे जिसे पाने के लिए लंबे समय से प्रयासरत हैं। अपने संस्कारों और संस्कृति से जुड़े रहना उचित होगा।

कन्या : पारिवारिक समागम और मेलजोल बढ़ेगा। आपको पारिवारिक और सामाजिक जीवन में महत्व मिलेगा। व्यावसायिक कार्यो से यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। सही समय पर सही निर्णय लेना लाभदायक होगा। इस सप्ताह किसी विशेष प्रिय मित्र से भेंट हो सकती है। अपनी सीमा में रहकर कार्य करना उचित रहेगा। किसी भी अनुचित कार्य को हां न कहें।

तुला : अवसरवादी लोगों से सावधान रहें। किसी भी व्यक्ति को अपने निजी जीवन में दखल न देने दें। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। मित्रों से दूरी बनेगी, लेकिन वही मित्र भविष्य में आपके काम आएंगे। वर्तमान परिस्थितियों से तालमेल बनाने के चक्कर में कुछ रिश्ते आपसे दूर हो जाएंगे। दांपत्य जीवन में कटुता पैदा होगी।

वृश्चिक : कार्यो को कल पर टालने की प्रवृत्ति आपको आगे नहीं बढ़ने दे रही है। ऊर्जावान और उत्साहजनक बने रहने के लिए आपको ध्यान और योग को अपनाना चाहिए। आप किसी भी कार्यक्षेत्र से जुड़े हों आपको फोकस अपने काम पर ही रखना होगा। कोई भी व्यक्ति आपको अपने मार्ग से विचलित करने का प्रयास करे तो उससे दूर ही रहें।

धनु : सदाचार और मधुर व्यवहार के दम पर दुनिया को जीत लेने वाला हौसला मिलेगा। सामाजिक जीवन में कोई प्रतिष्ठापूर्ण अवसर आएगा। किसी की सहायता करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। संपत्ति संबंधी कार्य करने का मार्ग प्रशस्त होगा। पैतृक संपत्ति को लेकर स्वजन से चल रहा विवाद दूर होगा।

मकर : इस सप्ताह आपके कार्य गति पकड़ेंगे। अब तक जो कार्य आप करने से पीछे हट जाते थे या घबराकर छोड़ देते थे उन्हें पूरा करने की दिशा में बढ़ेंगे। अपने क्रोधी स्वभाव को नियंत्रित करने की आवश्यकता है, वरना लोग आपसे दूर होते जाएंगे। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर उसका समाधान निकालेंगे।

कुंभ : कार्यो की गति थोड़ी धीमी होगी। अपने निजी संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें। संयमित जीवनशैली से स्वस्थ रहने में सहायता मिलेगी। किसी विशेष कार्य से यात्रा करनी पड़ सकती है। पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा। स्वजन के साथ व्यवहार उचित रखें। आर्थिक लाभ के अनेक अवसर आएंगे। संपत्ति संबंधी कार्य होंगे।

मीन : कार्य-व्यवसाय को गति मिलेगी। लंबे समय से जो काम आप छोड़ चुके हैं उन्हें दोबारा गति देने का प्रयास करें। समय उत्तम है इसका लाभ उठाने का प्रयास करें। निजी संबंधों का प्रभाव अपने कार्य पर न आने दें। फोकस काम पर रखना अत्यंत आवश्यक होगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है, इसलिए संतुलित और शुद्ध आहार रखें।

चुटकुले

शराब पीने के बाद सबसे ज्यादा बोली जाने वाली 8 लाइनें-

1. तू मेरा भाई है।
2. गाड़ी आज भाई चलाएगा।
3. मैं तेरी दिल से इज्जत करता हूं।
4. आज चढ़ नही रही है यार।
5. यह मत समझ कि मैं पी कर बोल रहा हूं।
6. एक छोटा सा पेग और हो जाए।
7. तू बोल क्या चाहिए, तेरे लिए तो अपनी जान हाजिर है।
और सबसे मजेदार-
8. कल से दारू बंद।

एक औरत ने अपनी पड़ोसिन से पूछा: क्या तुम्हें ऐसा आदमी पसंद है,
जिसके सारे बाल सफेद हों और हेयर कलर लगाकर जवान बनने की कोशिश करता हो?
चार कदम चलने पर जिसकी सांस फूल जाती हो, दफ्तर से घर आकर शराब पीना शुरू कर देता हो और खाना खाते ही बूढ़े कुत्ते की तरह सो जाता हो। सुबह मुंह से बदबू आती हो और टॉइलेट में आधा-आधा घंटा गुजारता हो।
दूसरी औरत: नहीं, हरगिज नहीं। भला ऐसे मर्द को कौन औरत पसंद करेगी!
औरत: तो फिर मेरे पति के पीछे क्यों पड़ी हो?

येदियुरप्पा की नातिन ने की आत्महत्या

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा की नातिन सौंदर्या ने आत्महत्या कर ली है। घटना शुक्रवार की है। सौंदर्या येदियुरप्पा की दूसरी बेटी पद्मावती की बेटी थीं। सौंदर्या की बॉडी उनके अपार्टमेंट में लटकी मिलीं। खबर मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने सौंदर्या के शव को बोरिंग एंड लेडी कर्जन हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। 30 साल की सौंदर्या का 4 महीने का एक बच्चा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे पोस्ट प्रेग्नेंसी डिप्रेशन से जूझ रही थीं। सौंदर्या माउंट कैरमेल कॉलेज वसंत नगर में रहती थीं और रामैया हॉस्पिटल में डॉक्टर थीं। सौंदर्या की शादी डॉ. नीरज से 2018 में हुई थी। पति के सुबह 8 बजे काम पर निकल जाने के बाद सौंदर्या ने 10 बजे फांसी लगा ली। हाउस मेड के आने के बाद घटना का खुलासा हुआ।

गया में आर्मी का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट क्रैश

शुक्रवार सुबह गया के बोधगया में आर्मी का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। यह एयरक्राफ्ट सबदलह बिगहा गांव के खेत में गिरा, जिससे उसका एक पहिया क्षतिग्रस्त हो गया। क्रैश की वजह तकनीकी खामी बताई जा रही है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने इसमें सवार 2 जवानों को सुरक्षित निकाल लिया। साथ ही मिलकर कंधे लगाए और एयरक्राफ्ट को सड़क तक पहुंचा दिया। क्रैश के तुरंत बाद वहां पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही आर्मी के जवान मौके पर पहुंचे और एक घंटे के भीतर ही एयरक्राफ्ट के सभी पार्ट को खोलकर ले गए।

बसपा ने किया 53 नामों का ऐलान

बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को चौथे चरण के 53 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। लिस्ट में सबसे अधिक मुस्लिम प्रत्याशी हैं। 16 मुस्लिमों को टिकट दिया गया है। वहीं, 7 ब्राह्मण और 5 महिलाओं को मैदान में उतारा गया है। मायावती ने उन्नाव रेप कांड के गवाह देवेंद्र सिंह महाबली को उन्नाव से टिकट दिया है। रेप कांड में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सजा हो चुकी है। इससे पहले 15 जनवरी को मायावती ने पहले चरण के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे।

इराक की राजधानी में रॉकेट से हमला

बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को छह रॉकेट दागे गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सभी रॉकेट्स को मार गिराया गया और वे रनवे के पास गिरे। हमला बगदाद के स्थानीय समयानुसार 4:30 बजे हुआ था। हमले के कारण एयरपोर्ट पर खड़ा एक प्लेन क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के मुताबिक रॉकेट दागे जाने से प्लेन में छेद हो गया।

हलवा नहीं, मिठाई से हुई बजट की शुरुआत

1 फरवरी को केन्द्रीय बजट 2022-23 पेश होने वाला है। यह बजट पिछले साल की तरह ही पेपरलेस होगा। जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी। पिछले साल की तरह इस बार भी 'यूनियन बजट मोबाइल ऐप' पर बजट के डॉक्युमेंट्स अवेलबल रहेंगे। हालांकि इस बार पारंपरिक हलवा सेरेमनी का कार्यक्रम नहीं हुआ है। बता दें कि हर साल बजट की फाइनल प्रक्रिया शुरू करने से पहले हलवा सेरेमनी का आयोजन होता था, जो इस बार नहीं हो सका है। मौजूदा कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए हलवा सेरेमनी रस्म नहीं की गई है। इसके बजाय कोर कर्मचारियों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मिठाई दी गई है।

NCC की रैली में PM मोदी की पंजाबी पगड़ी

दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड में चल रही NCC की रैली के बीच पीएम मोदी पहुंचे। जहां NCC कैडेट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पीएम मोदी ने इस रैली के लिए सिख पगड़ी पहनी थी। 1953 से हर साल होने वाली इस रैली को गणतंत्र दिवस के बाद आयोजित किया जाता है। शुक्रवार को हुई रैली के दौरान उन्होंने 1000 NCC कैडेट्स के मार्च पास्ट की सलामी ली। रैली में बेस्ट कैडेट मेडल दिए जाएंगे। इस रैली में BJP सांसद रवि किशन की बेटी इशिता शुक्ला ने भी NCC रैली में हिस्सा लिया, जिसकी फोटो रवि ने ट्विटर पर शेयर की।

प्रमोशन में आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने SC और ST के लिए प्रमोशन में आरक्षण की शर्तों को कम करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य SC और ST के कर्मचारियों को प्रमोशन में रिजर्वेशन देने से पहले क्वॉन्टेटिव डेटा जुटाने के लिए बाध्य है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि 2006 के नागराज और 2018 के जरनैल सिंह मामले में संविधान पीठ के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट कोई नया पैमाना नहीं बना सकती है। केंद्र और राज्यों से जुड़े आरक्षण के मामलों में स्पष्टता पर सुनवाई 24 फरवरी से शुरू होगी।

भाजपा के 12 विधायकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

जुलाई 2021 में निलंबित हुए महाराष्ट्र भाजपा के 12 विधायकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मानसून सत्र के दौरान विधानसभा स्पीकर द्वारा एक साल के लिए निलंबित किए जाने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है। साथ ही सभी विधायकों का निलंबन भी रद्द कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के साथ तल्ख टिप्पणी भी की है। अदालत ने कहा कि ये फैसला लोकतंत्र के लिए खतरा ही नहीं बल्कि तर्कहीन भी है। इससे पहले की सुनवाई में जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस सीटी रवि कुमार की पीठ ने महाराष्ट्र शासन के वकील अर्यमा सुंदरम से सत्र की अवधि के बाद भी साल भर तक निलंबन के आधार को लेकर कई सीधे और तीखे सवाल पूछे थे।

गुरदासपुर के चंदू वडाला पोस्ट पर मुठभेड़

पंजाब के गुरदासपुर में पाकिस्तानी तस्करों और BSF के बीच मुठभेड़ हुई है। गुरदासपुर के चंदू वडाला पोस्ट के पास हुई मुठभेड़ में BSF का एक जवान भी घायल हुआ है। पंजाब BSF के DIG के मुताबिक, सुबह सवा 5 बजे एक जवान ने भारत-पाक बार्डर के पास मूवमेंट देखी और पाकिस्तानी तस्करों पर फायर कर दिया।

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात में शंकर सिंह वाघेला व नरेश पटेल पर टिकी सबकी निगाहें

अहमदाबाद,गुजरात
विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के दो बड़े दिग्गज पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला तथा पाटीदार नेता नरेश पटेल पर सबकी निगाहें टिकी हैं। ये दोनों नेता भाजपा के खिलाफ मोर्चा संभालने को तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस में शामिल होकर ऐसा करेंगे या किसी अन्य प्रादेशिक दल के बैनर तले, यह जल्द साफ होगा। आरक्षण आंदोलन के दौरान पाटीदार युवकों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने के लिए पाटीदार समाज की संस्था खोडलधाम के ट्रस्टी नरेश पटेल अपने साथी युवा नेता अल्पेश कथीरिया, दिनेश बामणिया आदि के साथ मिलकर सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। गुजरात के दिग्गज नेता वाघेला भी नरेश पटेल के साथ मिलकर अपनी आखिरी राजनीतिक पारी को यादगार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। वाघेला के मीडिया सलाहकार पार्थेश पटेल का कहना है कि वाघेला बिना शर्त कांग्रेस में

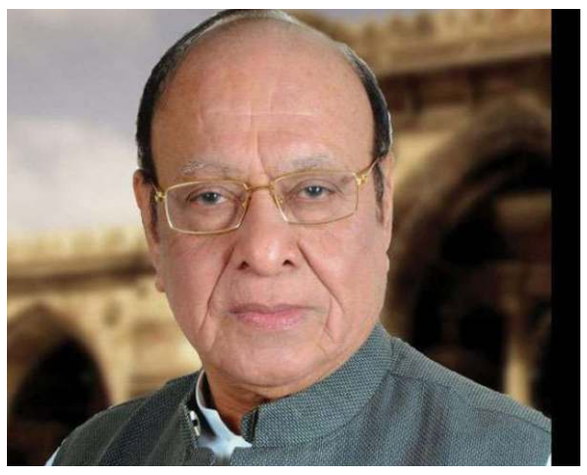

शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं। गौरतलब है कि नरेश पटेल भी कांग्रेस नेताओं के संपर्क में हैं, लेकिन कांग्रेस में अनिर्णय की स्थिति में यह दोनों दिग्गज टीएमसी का दामन भी थाम सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह कांग्रेस के लिए नई मुसीबत होगी। गुजरात कांग्रेस प्रभारी डा. रघु शर्मा के गुजरात पहुंचते ही फिर राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। शर्मा ने नेताओं के कांग्रेस में आने का स्वागत किया है। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने भी बुधवार को अहमदाबाद में एक समारोह में वाघेला के साथ मंच साझा करते हुए उनके राजनीतिक कार्यों की प्रशंसा की। ठाकोर के अलावा पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी भी वाघेला की कांग्रेस में वापसी चाहते हैं। अगले माह तक इन दोनों दिग्गजों की राजनीतिक पारी का सबको बेसब्री से इंतजार रहेगा। गौरतलब है कि गुजरात में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित सभी सियासी दल आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति के तहत अभी से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हर कोई विधानसभा चुनाव में जीतना चाहता है।

सूरत की नई पहचान-तैयार होने को है डायमंड बुर्स विश्व की सबसे बड़ी इंटरकनेक्टेड बिल्डिंग, यह अमेरिका के रक्षा मुख्यालय पेंटागन से भी बड़ी

सूरत के खजोद में बन रहे डायमंड बुर्स से सूरत के हीरा उद्योग की चमक और बढ़ जाएगी। डायमंड बुर्स को दुनिया की सबसे बड़ी इंटरकनेक्टेड बिल्डिंग बताई जा रही है। डायमंड बुर्स का 90 प्रतिशत काम लगभग पूरा हो चुका है। सूरत, मुंबई, जयपुर समेत विदेशी उद्योगपतियों ने भी इसमें बुकिंग करवाई है। बुकिंग कराने वाले जल्द ही अपने कार्यालय खोलने की तैयारी में हैं। 500 से अधिक उद्यमियों ने अपने कार्यालय में फर्नीचर बनवाने का काम भी शुरू करवा दिया है। डायमंड बुर्स का उद्घाटन भी जल्द ही किया जाएगा। इसके बाद यहां से हीरे का कामकाज धड़ल्ले से शुरू हो जाएगा। डायमंड बुर्स के संचालकों का कहना है कि इसमें कुल 9 टावर हैं और यह ग्राउंड प्लस 15 मंजिला है। सभी टावर एक दूसरे से कनेक्टेड हैं। यानी कि आप टावर-1 की पहली मंजिल पर हैं तो टावर-9 या अन्य टावर की पहली मंजिल पर आसानी से आ-जा सकते हैं। इसी प्रकार हर टावर की हर मंजिल को एक-दूसरे से जोड़ा गया है। डायमंड बुर्स का क्षेत्रफल 68 लाख वर्गफीट है। बता दें, अभी तक अमेरिका का रक्षा मुख्यालय पेंटागन दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालयीय इमारत है।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म-सूरत में नाबालिग लड़की से जबरदस्ती शादी की, फिर अपने दो दोस्तों को सौंप दिया, 3 के खिलाफ केस दर्ज

डिंडोली में 16 साल की नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। एक परिचित युवक ने उससे जबरन शादी करने के बाद किशोरी को अपने दो दोस्तों को सौंप दिया। इसके बाद उसके दोनों दोस्तों ने लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। डिंडोली पुलिस के मुताबिक मूल यूपी की 16 वर्षीय नाबालिग 1 साल पहले नवसारी के चिकली में मां मौसी, भाई और बहन के साथ रहती थी। उसके मौसा कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। मौसा के साथ सूरज सिंह सत्यनारायण सिंह भी काम करता था। 1 साल पहले लड़की की शादी की बात चल रही थी, लेकिन उसे शादी नहीं करनी थी। इसके बाद लड़की ने सूरज सिंह को फोन कर मदद मांगी। इसके बाद सूरज सिंह

लड़की को सूरत लेकर आया। सूरज सिंह ने उसे धमकी देकर मंदिर में उसकी मांग में सिंदूर भर दिया। इसके बाद उसने उससे साथ दुष्कर्म किया। वह रोज नाबालिग से दुष्कर्म करता था। कुछ दिनों के बाद सूरज सिंह ने डिंडोली में चाय की लॉरी शुरूकी। लड़की भी उसकी दुकान पर काम करने लगी। इसके बाद सूरज सिंह के दोस्त विमलेश पाठक और चंदन झा चाय पीने के लिए आए। तब सूरज सिंह ने लड़की को दोनों के हवाले कर दिया। दोनों लड़की को लेकर डिंडोली के एक खंडहर जैसे मकान में लेकर गए। जहां विमलेश और चंदन ने बारी-बारी से लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ डिंडोली पुलिस स्टेशन में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया है। 15 दिन पहले पांडेसरा में सूरज सिंह ने लड़की की काफी पिटाई की थी और कमरा बाहर से बंद कर घर चला गया था।

इंदिरा रसोई के बाद गुजरात कांग्रेस ने शुरु की इंदिरा मोबाइल क्लीनिक और आइसीयू वैन

अहमदाबाद, देश के विभिन्न राज्यों में इंदिरा रसोई के बाद गुजरात कांग्रेस के नेता राज्य में इंदिरा मोबाइल क्लीनिक तथा इंदिरा आईसीयू वैन शुरू करने जा रही है, विपक्ष के नेताओं की ओर से शायद यह पहली बार होगा जो अपने ट्रस्ट के माध्यम से जनता को मोबाइल क्लीनिक तथा आईसीयू वैन उपलब्ध कराएंगे। गुजरात राहत समिति के बैनर तले गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डा. रघु शर्मा तथा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय से इंदिरा मोबाइल क्लीनिक तथा इंदिरा आईसीयू वैन को हरी झंडी दिखाएंगे। राहत समिति के प्रबंधक न्यासी अर्जुन मोढवाडिया ने बताया है कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर के बीच जनता को सीधे स्वास्थ्य सुविधाएं तथा आधुनिक तकनीक से सुसज्जित आईसीयू में उपलब्ध कराने के इरादे से इंदिरा मोबाइल क्लीनिक तथा इंदिरा आईसीयू अगेन की शुरुआत की गई है। प्रथम चरण में तीन इंदिरा मोबाइल क्लीनिक तथा तीन इंदिरा आसीयू वैन चलाए जाएंगे। मोबाइल क्लीनिक में

पैरामेडिकल स्टाफ दवाएं, प्राथमिक उपचार के सभी मेडिकल उपकरण आदि उपलब्ध होंगे। जबकि इंदिरा आईसीयू वैन ऑक्सीजन सिलेंडर वातानुकूलित केबिन तथा पैरामेडिकल स्टाफ आदि से युक्त होगा। मोबाइल क्लीनिक एवं आईसीयू वैन आधुनिक तकनीक, दवाओं, पैरामेडिकल स्टाफ आदि से सुज्जित होंगे।
मोढवाडिया ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राज्य में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई। कोरोना संक्रमित को अस्पताल में बैठ नहीं मिल रहा था कहीं इंजेक्शन नहीं मिल रहा था तो किसी के परिवार जनों की मौत किस लिए हो गई क्योंकि आक्सीजन सिलेंडर भी उपलब्ध नहीं था। गुजरात में महामारी के इस दौर में भारी जान माल का नुकसान देखा है। कांग्रेस नेताओं ने हमेशा आगे बढ़कर लोगों को महामारी से बचाने का प्रयास किया। कांग्रेस के कई नेताओं की मौत सेवा करते हुए कोरोना संक्रमित होने के कारण हुई। मोढवाडिया का कहना है कि प्रदेश के ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में आज ही स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है गुजरात कांग्रेस नेताओं ने गरीब पिछड़े एवं आदिवासी लोगों को घर पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के इरादे से इंदिरा मोबाइल क्लीनिक शुरू किया है। लोगों को कोरोना की गंभीर हालत में अस्पताल लाने से पहले ही आईसीयू जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाती है तो बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इंदिरा मोबाइल क्लीनिक एवं इंदिरा आई सी यू वैन जरूरत के हिसाब से गांव एवं शहरों में भेजी जाएगी यह पहले चरण में शुरू किया गया प्रयास है आगामी दिनों में इन सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा।

सूरत में दो वर्षीय बच्चे का अपहरण करने वाली बुर्काधारी महिला पकड़ाई, पुलिस ने सकुशल बच्चे को छुड़ाया

सूरत शहर के डिंडोली में सोमवार को एक बुर्काधारी महिला ने दो साल के बच्चे का अपहरण कर लिया था। इस मामले में सूरत पुलिस को सफलता मिल गई है। पुलिस ने बच्चे की सकुशल बरामदगी के साथ आरोपी महिला को भी हिरासत में ले लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। इसके बाद ही वारदात की वजह सामने आ पाएगी। सूरत की डिंडोली पुलिस ने मासूम बच्चे के अपहरण के मामले को सुलझाने के लिए सोशल मीडिया और पोस्टरों पर लोगों की मदद मांगी थी। 72 घंटे के बाद, अपहरण की गई महिला और बच्चे दोनों का पता चला। पीआई केबी देसाई ने पुष्टि की कि बच्चा सुरक्षित है और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोशल मीडिया का भी सहारा लिया सूरत की डिंडोली पुलिस ने बच्चे की तलाश के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इसके अलावा बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन समेत तमाम सार्वजनिक जगहों पर बच्चे के पोस्टर चिपका दिए थे। इसके अलावा बच्चे की जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखते हुए उसे इनामी राशि देने का भी ऐलान किया था। इसी के चलते एक अज्ञात व्यक्ति दारा फोन पर पुलिस को सूचना मिल गई।

युवक की हत्या के बाद अहमदाबाद के धंधुका में तनाव

अहमदाबाद, गुजरात में अहमदाबाद के धंधुका कस्बे में इंटरनेट मीडिया पर एक विवादास्पद पोस्ट के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के विरोध में कस्बा गुरुवार को बंद रहा। इसी दौरान मृत युवक की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच, विहिप व बजरंग दल ने धुंधका बंद का आह्वान किया है। शहर में तनाव है। अहमदाबाद से करीब सौ किमी दूर धंधुका कस्बे में इंटरनेट मीडिया पर एक विवादास्पद पोस्ट के चलते दो गुटों में टकराव था। बुधवार को अज्ञात बाइक सवार ने किशन बोडिया नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप एक युवक पर लगाया जा रहा है। पूछताछ के लिए दो युवकों को पकड़ा गया है। आरोपित पुलिस की पकड़ से बाहर है।
हत्या के विरोध में धुंधका बंद का आह्वान उधर, हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने धंधुका बंद का आह्वान किया। मृतक के परिजनों ने गांव में एक मार्ग किशन के नाम पर करने तथा चौराहे पर उसकी प्रतिमा लगाने की मांग की है। बंद के दौरान पुलिस की निगरानी में ही गुरुवार को मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। रेंज आईजी चंद्रशेखर

के अनुसार, बंद के दौरान कस्बे में शांति रही। विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वहां मौजूद हैं। इसकी जांच पुलिस उपाधीक्षक रीना राठवा की निगरानी में होगी। धंधुका पुलिस निरीक्षक सीबी चौहाण को हटाकर साणंद के निरीक्षक आरजी खांट को धंधुका में तैनात किया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल आपरेशन ग्रुप, लोकल क्राइम ब्रांच सहित सात टीमें बनाई हैं।
गौरतलब है कि तुर्की के इस्तांबुल में गुजरात के गांधीनगर जिला निवासी दो परिवारों के छह सदस्यों के लापता होने की खबरों के बीच पुलिस ने बुधवार को उनका पता चलने का दावा किया है। पुलिस ने उनके माता-पिता के हवाले से कहा कि सभी लोग तुर्की के एक होटल में हैं।
वे अगले दो-तीन दिन में वापसी करेंगे। पहले ऐसी खबरें आई थीं कि सभी को मानव तस्करों ने अपहृत कर लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महीने की शुरुआत में विजिटर वीजा पर तुर्की गए छह लोग लापता हो गए थे। इनमें दो जोड़े और दो बच्चे शामिल थे। सभी को विजिटर वीजा पर तुर्की भेजने वाले एजेंट से पूछताछ के बाद अधिकारी ने बताया कि उन्हें मानव तस्करों द्वारा अपहृत कर लिए जाने की खबरें आई थीं, लेकिन स्वजन इससे इन्कार कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या दोनों परिवार अवैध तरीके से किसी अन्य देश में प्रवेश का प्रयास कर रहे थे तो अधिकारी ने कहा, 'उनके यहां आने और पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।' यह मामला तब प्रकाश में आया था, जब कनाडा से अवैध तरीके से अमेरिका जाते समय गांधीनगर के एक ही परिवार के चार सदस्यों की ठंड से मौत होने की सूचना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।

छठी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे राफेल नडाल, रिकॉर्ड 21वें ग्रैंडस्लैम से बस एक कदम दूर

स्पेन के दिग्गज टेनिस प्लेयर राफेल नडाल ऑस्ट्रेलियन ओपन ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। यह उनका छठा ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल होगा। मेलबर्न के रोड लेवर अरेना में खेले गए सेमीफाइनल में उन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त इटली के माटेओ बैरेटिनी को 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। फाइनल में नडाल का सामना ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास और रूस के डेनिल मेदवेदेव के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

नडाल का यह चारों ग्रैंडस्लैम मिलाकर 29वां फाइनल होगा। उन्होंने अब तक फ्रेंच ओपन के सबसे ज्यादा 13 फाइनल मुकाबले खेले हैं और इन सभी में जीत हासिल की है। वहीं, ऑस्ट्रेलियन ओपन का यह उनका छठा फाइनल होगा। नडाल यूएस ओपन और विम्बलडन के पांच-पांच फाइनल मुकाबले खेल चुके हैं।

इतिहास रचने से बस एक कदम दूर हैं नडाल

35 साल के नडाल की मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग पांच है। वह इतिहास रचने से बस एक कदम दूर हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही वह सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी नडाल, नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर ने 20-20 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। जोकोविच यह टूर्नामेंट नहीं खेल रहे। वह डिफेंडिंग चैंपियन थे और सबसे ज्यादा नौ बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता है। नडाल ने यह खिताब सिर्फ एक बार 2009 में जीता है।

नडाल ने सिर्फ एक ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता

नडाल ने अब तक करियर में अब तक कुल 89 टाइटल जीते हैं। 20 ग्रैंडस्लैम की बात करें तो उन्होंने 13 फ्रेंच ओपन टाइटल (2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2017, 2018, 2019, 2020), दो विम्बलडन टाइटल (2008, 2010), चार यूएस ओपन टाइटल (2010, 2013, 2017, 2019) और एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन (2009) जीता है। नडाल के नाम रिकॉर्ड लगातार 849 हफ्ते (2005-21) से टॉप-10 में बने रहने का रिकॉर्ड है। इसमें 209 हफ्ते तक वह नंबर एक पर रहे और 160 लगातार हफ्ते तक नंबर दो पर रहे।

नडाल का ऑस्ट्रेलियन ओपन में 90वां मैच ग्रैंडस्लैम में नडाल ने कुल मिलाकर 338 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 297 मैच जीते हैं, जबकि 41 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियन ओपन में नडाल ने 90 मुकाबले खेले हैं। इसमें से उन्होंने 75 मैच जीते हैं और 15 में हार का सामना करना पड़ा है। वह अब तक इस सीजन में लगातार नौ मैचों से अजेय हैं।

नडाल और बैरेटिनी के बीच दूसरा मुकाबला था

नडाल और बैरेटिनी के बीच यह ओवरऑल दूसरा मुकाबला था। इससे पहले दोनों 2019 यूएस ओपन के सेमीफाइनल में भी भिड़ चुके हैं। तब नडाल ने इटैलियन खिलाड़ी को 7-6, 6-4, 6-1 से हराया था। वहीं आज ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी नडाल ने अपना दबदबा कायम रखा। पहले दो सेट को नडाल ने आसानी से 6-3, 6-2 से जीता।

इसके बाद तीसरे सेट में बैरेटिनी ने वापसी की और 6-3 से जीत हासिल की। हालांकि, अगले सेट में नडाल ने अपने अनुभव का फायदा उठाया और बैरेटिनी को टिकने का मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी सेट 6-3 से जीता और साथ ही फाइनल में भी जगह बना ली।

IPL 2022-मेगा ऑक्शन में इन भारतीय खिलाड़ियों का बिकना मुश्किल, दो करोड़ का बेस प्राइस बन सकता है मुसीबत

आईपीएल 2022 के लिए मेगा ऑक्शन का आयोजन 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरू में होना है। इससे पहले सभी खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है और उम्मीद के अनुसार अपना बेस प्राइस भी तय किया है। मेगा ऑक्शन में भारत के 17 खिलाड़ियों ने अपना बेस प्राइस दो करोड़ रुपये रखा है। इनमें से अधिकतर खिलाड़ियों को नीलामी में इससे ज्यादा रकम मिलनी तय है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को खरीददार मिलना मुश्किल है।

भारत के कुछ सीनियर खिलाड़ी, जिन्होंने पिछले कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, उन्हें इस आईपीएल में इस मेगा ऑक्शन में खरीददार मिलना मुश्किल है। खासकर दो करोड़ की कीमत पर शायद ही कोई टीम इन्हें खरीदे। यहां हम ऐसे ही तीन खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं।

दो करोड़ बेस प्राइस वाले भारतीय खिलाड़ी

रविचंद्रन अश्विन, युजवेन्द्र चहल, दीपक चाहर, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, इशान किशन, भुवेश्वर कुमार, देवदत्त पडीक्कल, क्रुणाल पांड्या, हर्षल पटेल, सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर, रॉबिन उथप्पा, उमेश यादव।

1. सुरेश रैना

सुरेश रैना आईपीएल के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने चेन्नई सुपरकिंग्स की सफलता में अहम योगदान दिया है, लेकिन मेगा ऑक्शन में कोई भी टीम उन्हें दो करोड़ रुपये देने से पहले कई बार सोचेगी। पिछले कुछ सालों में रैना का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। 2021 में उन्होंने 12 मैचों में 17.77 के औसत से 160 रन बनाए। इस दौरान सभी विपक्षी टीमों ने उनके खिलाफ जमकर शॉर्ट पिच गेंदबाजी की और रैना अक्सर छोटी गेंदों पर आउट भी हुए। यह उनकी पुरानी कमजोरी रही है। इसी वजह से आईपीएल 2022 में उन्हें कोई खरीददार मिलना मुश्किल है।

2. उमेश यादव

आईपीएल 2021 में उमेश यादव ने कोई मैच नहीं खेला था। वो दिल्ली की टीम का हिस्सा थे, लेकिन अवेश खान, कगिसो रबादा और ऑनरिक नोर्टजे के रहते उन्हें मौका नहीं मिला। इससे पहले 2020 में भी वो कुछ खास नहीं कर पाए थे। 2019 में उमेश बैंगलोर की टीम के लिए खेले थे और उन्होंने जमकर रन लुटाए थे। उमेश यादव ने पावरप्ले और आखिरी के ओवरों में गेंदबाजी की थी और दोनों मौकों पर काफी महंगे साबित हुए थे। इस साल उमेश को कोई भी खरीददार मिलना मुश्किल है। साथ ही उन्होंने अपना बेस प्राइस दो करोड़ रुपये रखा है। कोई भी टीम उमेश के लिए इतनी बड़ी रकम नहीं खर्च करना चाहेगी।

3. दिनेश कार्तिक

दिनेश कार्तिक साल 2021 तक कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे, लेकिन मेगा ऑक्शन से पहले कोलकाता की टीम ने उन्हें रीटेन नहीं किया है। गंभीर के बाद कार्तिक ने कई सीजन तक कोलकाता की कप्तानी भी की, लेकिन अब उनके दिन जा चुके हैं। पहले कोलकाता ने उनकी बजाय इयोन मॉर्गन को टीम का कप्तान बनाया और फिर उन्हें रीटेन भी नहीं किया। 2021 में उन्होंने 17 मैचों में 22.30 के औसत से 223 रन बनाए थे। ऐसे में उन पर दो करोड़ रुपये खर्च करने से पहले हर टीम कई बार सोचेगी। कार्तिक को इस सीजन कोई भी खरीददार मिलना मुश्किल है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट को मिलेगी पहली अश्वेत महिला जज-जो बाइडेन फरवरी के आखिर तक करेंगे ऐलान, केतनजी ब्राउन और लियोनड्रा क्रूगर के नाम सबसे आगे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन फरवरी के आखिर तक अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में बतौर जज पहली अश्वेत महिला को नॉमिनेट करने जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज स्टीफन ब्रेयर रिटायर होने वाले हैं। गुरुवार को ब्रेयर ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति बाइडेन को सौंपते हुए कहा कि किसी अश्वेत महिला को अब तक जज बना दिया जाना चाहिए था। इसमें पहले ही देर हो गई है।

जून में खत्म हो रहा ब्रेयर का कार्यकाल 83 साल के ब्रेयर ने हाल ही में बाइडेन को अपना इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने इस्तीफे में लिखा कि कोर्ट का मौजूदा सत्र के खत्म होते ही वे नौकरी छोड़ देंगे। उनका कार्यकाल जून के अंत तक चलेगा, उसके पहले अमेरिकी सीनेट को उनका उत्तराधिकारी ढूंढना होगा।

राष्ट्रपति बनने से पहले किया था

बाइडेन ने वादा अश्वेत लोगों के समर्थन से चुनाव जीतने वाले बाइडेन ने अपने प्रेसिडेंशियल कैंपेन में वादा किया था कि राष्ट्रपति बनने के बाद वे हाईकोर्ट में परमानेंट पोस्ट के लिए अश्वेत महिला को नॉमिनेट करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्रक्रिया कठिन होने वाली है। मैं जस्टिस ब्रेयर की विरासत को संभालने के काबिल नॉमिनी सिलेक्ट करूंगा। बाइडेन ने यह भी कहा कि मैं कैंडिडेट्स के बैकग्राउंड देख रहा हूं और मैंने एक फैसला लिया है कि मैं विशिष्ट योग्यता, चरित्र और ईमानदारी वाले किसी कैंडिडेट को नॉमिनेट करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह इंसान एक अश्वेत महिला होगी। मेरे हिसाब से इसकी अपेक्षा लंबे समय से की जा रही। सबसे आगे हैं ये नाम ब्रेयर की जगह लेने वाले उम्मीदवारों में केतनजी ब्राउन जैक्सन, यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स जज और कैलिफोर्निया सुप्रीम कोर्ट के लियोनड्रा क्रूगर के नाम शामिल हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के 115 जजों में से केवल पांच महिलाएं हैं, जिनमें आज तीन शामिल हैं - सोनिया सोतोमयोर, एलेना कगन और एमी कोनी बैरेट। केवल दो अश्वेत व्यक्ति रहे हैं, जिनमें से एक वर्तमान न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस हैं। ब्रेयर अदालत में सबसे पुराने जज हैं और उन्हें 1994 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा नामित किया गया था।

घर में घिरे इमरान-इस्तीफे के दबाव के बीच PM इमरान से मिले आर्मी चीफ बाजवा, 23 मार्च को विपक्ष करेगा प्रदर्शन

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार को काबू करने में नाकामी को लेकर विपक्षी दलों द्वारा इमरान पर इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा है। इसके लिए एक दर्जन विपक्षी दलों के गठबंधन, पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने 23 मार्च को देशव्यापी विरोध शुरू करने की घोषणा की है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख बाजवा और पीएम इमरान खान के बीच बैठक से एक दिन पहले ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक पाकिस्तान फिसलकर 140वें स्थान पर पहुंच गया है। जिहाद के लिए नहीं मांगें चंदा: लाहौर हाई कोर्ट

पाकिस्तान में होने वाली चंदाखोरी को लेकर लाहौर हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। लाहौर कोर्ट ने कहा कि जिहाद के नाम पर पाकिस्तान में किसी व्यक्ति या संगठन को चंदा जुटाने की इजाजत नहीं है। यह कृत्य राष्ट्रद्रोह है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने आतंकी संगठनों की मदद करने के लिए चंदा जुटाने के दोषी दो आतंकियों की अपील ठुकरा दी।

पोस्ट कोविड पर स्टडी-कोरोना से उबरने के बाद भी खांसी, सांस की तकलीफ, ब्रेन फॉग या एंग्जाइटी है, तो लॉन्ग कोविड का खतरा

सिएटल में रहने वाले जॉन जिलॉट को मार्च 2020 में कोरोना हुआ था। वे कई दिन तक वेंटिलेटर पर रहे। अब उन्हें लॉन्ग कोविड की समस्या हो रही है। दरअसल, कोरोना से उबरने के बाद भी लंबे समय तक असर शरीर के अन्य हिस्सों में महसूस किया जाता है। कोरोना से उबरने के बाद भी किसी इंसान में खांसी, सांस की तकलीफ, ब्रेन फॉग, एंग्जाइटी समेत 20 में से कोई एक या उससे ज्यादा लक्षण बने हुए हैं तो उसे लॉन्ग कोविड हो सकता है। ऐसे ही लक्षणों के कारकों का पता करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में स्टडी हुई है। इसमें रिसर्चर्स ने ठीक हो चुके 200 लोगों पर 3 महीने तक नजर रखी। उन्होंने लॉन्ग कोविड के लिए 4 फैक्टर्स की पहचान की है, जो संक्रमित में कुछ सप्ताह बाद स्थायी लक्षण होने के बढ़ते जोखिम को दिखाते हैं।

पहला कारक संक्रमण की शुरुआत में आने वाला कोरोनावायरस RNA लेवल है, जो कि संक्रमित व्यक्ति के खून में वायरस की मात्रा बताता है। दूसरा कारक कुछ एंटीबॉडीज हैं, जो शरीर के गलत ऊतकों पर हमला करती हैं। यह हमला वैसा ही होता है जैसा हृदय, फेफड़े, हड्डियों के जोड़, त्वचा, दिमाग और किडनी, गठिया से संबंधित बीमारियों में होता है। इसे ल्यूपस कहा जाता है।

तीसरा कारक एपस्टीन-बार वायरस का एक्टिव होना है। एप्सटीन-बार वायरस वह है, जिसमें व्यक्ति का इम्यून सिस्टम ही उसको नुकसान पहुंचाने लगता है। इसके कारण उसे थकान, बुखार आना, वजन घटना, भूख न लगना, गले में सूजन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसका इलाज संभव है। इसका असर 1 से 2 हफ्तों तक रह सकता है। चौथा कारक टाइप 2 डायबिटीज यानी जिन्हें डायबिटीज होती है, उनमें लॉन्ग कोविड का जोखिम होता है।

पहली लहर में कोरोना से ठीक हुए 50% लोगों में गंध न आने की समस्या

अध्ययन में शामिल 37% मरीजों ने कहा कि 3 महीने बाद भी 3 से ज्यादा लॉन्ग कोविड लक्षणों को महसूस करते हैं। 24% ने कहा कि वह कोरोना से ठीक होने के बाद भी दो लक्षणों से उबर नहीं पाए हैं। हालांकि 39% ने कहा कि कोरोना के बाद उनमें कोई भी लक्षण महसूस नहीं हो रहा है।

उधर, स्वीडन में वैज्ञानिकों ने पोस्ट कोविड अध्ययन में पाया कि पहली लहर में संक्रमण से ठीक हो चुके करीब 50% गंध न आने की समस्या का सामना कर रहे हैं।

यूक्रेनियन सैनिक की फायरिंग में 5 की मौत-रूस के साथ तनाव का इस घटना से कोई ताल्लुक नहीं, फायरिंग मिलिट्री फैक्ट्री में; 5 मरे, 5 घायल

यूक्रेन में गुरुवार को एक सैनिक ने मिलिट्री इक्विपमेंट्स बनाने वाली कंपनी में अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई और इतने ही घायल बताए गए हैं। घटना का कारण फिलहाल पता नहीं लग सका है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। माना जा रहा है कि इस घटना का रूस और यूक्रेन के बीच विवाद से कोई ताल्लुक नहीं है।

भाग गया था सैनिक

यह घटना दिप्रो इलाके में स्थित पिवडेमेश मिसाइल फैक्ट्री में हुई। इस दौरान वहां से सैनिकों के लिए हथियार निकाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक मारे गए लोगों में एक फैक्ट्री के चार कर्मचारी और एक आम नागरिक शामिल है। जानकारी के मुताबिक हमला करने के बाद आरोपी सैनिक वहां से भाग निकला था। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक एके-47 रायफल और 200 गोलियां बरामद की गई हैं। यूक्रेन के डिप्टी होम मिनिस्टर एंतन ग्रेशेंको ने कहा- सबसे पहले तो हमें यह पता लगाना था कि इस घटना के पीछे आखिर मकसद क्या था? क्या इस सैनिक पर कोई मानसिक दबाव था या फिर वो निजी तौर पर तनाव में था। हमने जांच कमेटी बना दी है।

नेता जी के स्टैच्यू पर जावेद अख्तर के बोल-विचार तो अच्छा है, लेकिन स्टैच्यू को लेकर पसंद सही नहीं है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए इंडिया गेट पर उनका होलोग्राम स्टैच्यू लॉन्च किया था। इसे लेकर देश में काफी चर्चा हो रही है। हाल ही में फेमस राइटर जावेद अख्तर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने इस स्टैच्यू को लेकर अपनी बात रखी है।

जावेद ने नेता जी के स्टैच्यू पर की बात जावेद अख्तर ने अपने पोस्ट में लिखा, "नेता जी के स्टैच्यू का विचार तो अच्छा है, लेकिन स्टैच्यू को लेकर पसंद सही नहीं है। सारे दिन इस स्टैच्यू के ईर्द-गिर्द ट्रैफिक चलता रहेगा और स्टैच्यू का पोज सैल्यूट करते हुए होगा। यह उनकी प्रतिष्ठा के मुताबिक नहीं है। स्टैच्यू में वो या तो बैठे होने चाहिए या फिर अपने हाथ को हवा में लहराते हुए जैसे कोई एक नारा लगा रहे हों।" प्रधानमंत्री ने की थी इसकी घोषणा पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल ही में नेता जी की 125 वीं जयंती पर उनके स्टैच्यू के बारे में घोषणा की थी। बोस की होलोग्राम स्टैच्यू की अनाउंसमेंट के बाद, प्रधान मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले कई लोगों के योगदान को मिटाने का प्रयास किया गया था। लेकिन आज आजादी के दशकों बाद देश उन गलतियों को सुधार रहा है। प्रधान मंत्री ने कहा, "यह एक ऐतिहासिक दिन है, एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है, एक ऐतिहासिक स्थान पर है। यह स्टैच्यू हमारे देश के लिए उनके अमिट योगदान के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है।" बता दें इस स्टैच्यू का निर्माण फेमस मूर्तिकार अद्वैत गडनायक कर रहे हैं।

सिनेमा के लोग नैतिक जिम्मेदारी रखने वाले प्रभावशाली व्यक्ति भी हैं - आदित्य ओम

सिनेमा के लोग न केवल मनोरंजन करने वाले हैं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी रखने वाले प्रभावशाली व्यक्ति भी हैं, जो तेलुगु फिल्मों में एक जाना माना नाम आदित्य ओम दावा करते हैं और कलात्मक संदेश उन्मुख फिल्मों के कम दबदबे वाले रास्ते को अपनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी निर्देशित फिल्म 'मासब', जो पिछले साल की शुरुआत में रिलीज़ हुई थी, प्राथमिक शिक्षा पर थी, उसने कई पुरस्कार जीते और किसी भी फिल्म के लिए प्रभावशाली उच्च IMDB रेटिंग प्राप्त की। मैनुअल मैला ढोने वालों पर आधारित उनकी हाल ही में पूरी हुई फिल्म 'मैला' (मलमूत्र) को एनएफडीसी फिल्म बाजार द्वारा चुना और अनुशंसित किया गया था। एक अभिनेता के रूप में भी आदित्य ओम पेशेवर कॉलेजों में आरक्षण पर बनी फिल्म 'कोटा' में हिंदी में और जलवायु परिवर्तन पर एकल अभिनेता की फिल्म 'बंदी' में नजर आएंगे। वह सचेत रूप से उन विषयों का चयन या चयन कर रहे हैं जो सामाजिक प्रासंगिकता रखते हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता फैला सकते हैं। आदित्य कहते हैं कि पारंपरिक बॉलीवुड उनके काम और योगदान को स्वीकार नहीं करता है क्योंकि उन्होंने अभी तक सितारों या बड़े बैनर के साथ काम नहीं किया है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह करेंगे जल्द ही उसकी उचित मान्यता प्राप्त करें। तेलुगु में आदित्य ओम की भविष्य की परियोजनाएं 'अमरम' और 'दहनम' हैं।

अपकमिंग फिल्म:11 साल बाद फिर साथ नजर आएंगे संजय दत्त- सुनील शेट्टी, समीर कार्णिक की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म की साइन

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त जल्द ही समीर कार्णिक की कॉमेडी अनटाइटल फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ सुनील शेट्टी भी लीड रोल निभाएंगे। ये जोड़ी आखिरी बार नो प्रॉब्लम फिल्म में नजर आई थी, जो अब 11 साल बाद दोबारा स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार है।

इस फिल्म को यमला पगला दीवाना के डायरेक्टर समीर कार्णिक ही डायरेक्ट करने वाले हैं। संजय दत्त, सुनील शेट्टी के अलावा इस फिल्म में ईशा गुप्ता, जायद खान, सौरभ शुक्ला और जावेद जाफरी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। ये एक कॉमेडी जोनर की फिल्म होने वाली है जो नॉर्थ इंडिया में बनेगी।

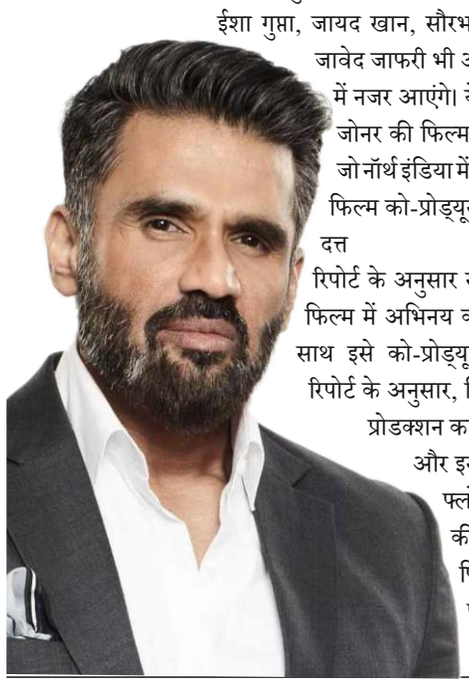

फिल्म को-प्रोड्यूस करेंगे संजय दत्त

रिपोर्ट के अनुसार संजय दत्त इस फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ इसे को-प्रोड्यूस भी करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम जारी है और इसे गर्मियों तक फ्लोर पर ले जाने की तैयारी है। इस फिल्म को पंजाब में शूट किया जाने वाला है। फिलहाल शूटिंग लोकेशन लॉक नहीं की गई हैं। संजय दत्त और सुनील शेट्टी रुद्राक्ष, दस, दस कहानियां, रक्त, कांटे, शूटआउट एट लोखंडवाला, अनर्थ जैसी कई फिल्मों में नजर आए हैं। आखिरी बार ये जोड़ी साल 2010 की कॉमेडी ड्रामा फिल्म नो प्रॉब्लम में साथ दिखे थे। संजय दत्त की झोली में कई बड़े प्रोजेक्ट एक्टर पृथ्वीराज में अक्षय, मानुषी के साथ अहम किरदार में हैं, लेकिन ये फिल्म कोविड की तीसरी लहर के कारण पोस्टपोन हो गई है। इसके अलावा संजय केजीएफ चैप्टर 2 में अधीरा के नेगेटिव रोल में हैं। इन दोनों के अलावा एक्टर के पास आशुतोष गोवारिकर की टूलसाइड जूनियर भी है। सुनील शेट्टी साल 2021 की फिल्म मुंबई सागा में नजर आए थे, जिसके बाद एक्टर 2022 की तमिल-हिंदी फिल्म घनी में दिखेंगे।

'नागिन 6' लीड एक्टर्स कन्फर्म-एकता कपूर ने लगाईं तेजस्वी प्रकाश और महक चहल के नामों पर मुहर, सिंबा नागपाल निभाएंगे डबल रोल

एकता कपूर ने अपकमिंग सीरियल 'नागिन 6' के लीड एक्टर्स फाइनल कर दिए है। बता दें, इस सीजन में एक नहीं बल्कि दो लीड एक्ट्रेस नजर आएंगी। सूत्रों के अनुसार एकता ने तेजस्वी प्रकाश और महक चहल के नामों पर मुहर लगा दी है। वही लीड एक्टर की बात करें तो सिंबा नागपाल ने बाजी मार ली।

एकता कपूर ने महक चहल और तेजस्वी प्रकाश के नामों पर लगाईं मुहर

शो से जुड़े सूत्र बताते है, "दिवाली के मौके पर एकता ने अपने सोशल मीडिया पर खुलासा किया था कि नागिन के अगले सीजन में एक अभिनेत्री का नाम 'M' से शुरू होता है। उस वक्त उन्होंने अभिनेत्री के नाम का खुलासा नहीं किया। एकता का ये पैंतरा केवल ऑडियंस के बीच हलचल मचाने के लिए था, वे महक चहल को अपनी अगली नागिन बनाने का इरादा पहले ही बना चुकी थी। शो की कहानी दो नागिन पर आधारित हैं।

अपनी दूसरी नागिन की तलाश उनकी 'बिग बॉस 15' के घर खत्म हुई। तेजस्वी, बिग-बॉस 15 की टॉप दावेदारों में से एक हैं और पहले भी वह छोटे पर्दे पर अपने अभिनय से सबका दिल जीत चुकी हैं। एकता ने उन्हें कास्ट कर लिया है।"

BB15 के फिनाले के दिन ही तेजस्वी 'नागिन 6' का कॉन्ट्रैक्ट साइन करेंगी

सूत्र आगे बताते हैं, "बिग बॉस 15 को हामी भरते वक्त, तेजस्वी ने कलर्स चैनल के साथ एक साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया हैं। नागिन भी इसी चैनल पर प्रसारित होने वाला हैं। BB15 के फिनाले के दिन ही तेजस्वी 'नागिन 6' का कॉन्ट्रैक्ट साइन करेंगी। तेजस्वी और महक के अलावा सुधा चंद्रन और उर्वशी ढोलकिया भी अहम किरदार में दिखेंगे।"

लीड एक्टर सिंबा नागपाल दिखेंगे डबल रोल में

शो के लीड एक्टर सिंबा नागपाल की बात करें तो सुनने में आया है कि वे इसमें डबल रोल करते दिखेंगे।

सिंबा के साथ-साथ ईशान सहगल और सिद्धांत गुप्ता ने भी शो के लिए ऑडिशन दिया था। एकता ने सिंबा के नाम पर मुहर लगा दी। सिंबा टीवी शो 'शक्ति अस्तित्व के एहसास की' में बतौर लीड एक्टर के रोल में नजर आ चुके थे। इससे पहले वे रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला' में भी नजर आ चुके हैं। वे 'बिग बॉस 15' में भी नजर आए थे।

12 फरवरी को होगा 'नागिन 6' टेलीकास्ट

बता दे, 'नागिन 6' अगले महीने (12 फरवरी) से टेलीकास्ट होगा। इससे पहले के वीकेंड (5 - 6 फरवरी) को चैनल स्पेशल बसंत पंचमी स्पेशल एपिसोड प्रसारित करेंगे जिसमे अब तक की टेलीविजन पर नागिन का किरदार निभा चुके एक्टर्स परफॉर्म करेंगे।

नागिन सीरीज छोटे पर्दे की हिट सीरीज में से एक

नागिन सीरीज छोटे पर्दे की हिट सीरीज में से एक है। सबसे पहले इस शो से अभिनेत्री मौनी रॉय ने प्रसिद्धि हासिल की थी। बाद में सुरभि ज्योति ने मौनी को रिप्लेस किया और नाम कमाया। इसके बाद निया शर्मा, जैस्मिन भसीन और सुरभि चंदना को भी नागिन सीरियल में देखा जा चुका है।

अगले महीने इस तारीख को रिलीज होगी आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी', संजय लीला भंसाली ने किया एलान

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज डेट का एलान हो गया है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट कई बार टलने के बाद आखिरकार ये अगले महीने यानी 25 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। संजय लीला भंसाली ने कुछ देर पहले ही इसकी घोषणा की है। 18 फरवरी को रिलीज होने वाली थी फिल्म संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही गंगूबाई काठियावाड़ी काफी लंबे समय से चर्चा में है। बता दें कि फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली, आलिया भट्ट और फिल्म के दूसरे स्टार कास्ट को कोरोना हो गया था और इसके कारण भी फिल्म की शूटिंग पूरा होने में वक्त लग गया। पिछले साल नवंबर में फिल्म की रिलीज डेट 18 फरवरी 2022 तय की गई थी, हालांकि कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए इसकी रिलीज डेट डाल दी गई। लेडी डॉन के किरदार में आलिया इस फिल्म में आलिया भट्ट गंगूबाई का किरदार निभा रही हैं। आलिया फिल्मों में दमदार किरदार निभाती हैं, लेकिन पहली बार वो डॉन के किरदार में नजर आने वाली हैं। काफी पहले इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। हालांकि इसका ट्रेलर फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया था। आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो गंगूबाई काठियावाड़ी के अलावा वो फिल्म 'आरआरआर' में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म जनवरी में ही रिलीज होने वाली थी लेकिन इसकी भी रिलीज पोस्टपोन कर दी गईइसके अलावा वो रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आने वाली हैं। दर्शक रणबीर और आलिया को पहली बार स्क्रीन पर साथ देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। आलिया रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का भी हिस्सा बनेंगी जिसका एलान कुछ महीनों पहले ही हुआ है।

दुखद-फिल्म निर्माता Katte Ramachandra का बंगलूरु में 75 साल की उम्र में निधन

फिल्म निर्माता कट्टे रामचंद्र का बंगलूरु में निधन हो गया। वह 75 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार बंगलूरु में ही किया जाएगा। अपने चार दशकों से अधिक के करियर में उन्होंने कई फिल्मों के साथ-साथ धारावाहिकों का निर्देशन और निर्माण किया। शोक में डूबी कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री

अनुभवी फिल्म निर्माता के निधन से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री शोक में है। कन्नड़ अभिनेता और पूर्व बिग बॉस कन्नड़ सीजन 7 के प्रतियोगी हरीश राज ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। कट्टे रामचंद्र का जन्म 15 फरवरी 1947 को हुआ था। उन्होंने Viashaka Dingalu नामक फिल्म का निर्देशन किया था जो अप्रैल 1993 में रिलीज हुई थी। इसमें विष्णुवर्धन मुख्य भूमिका में थे। रामचंद्र ने कई कन्नड़ प्रोजेक्ट के लिए डबिंग कलाकार के रूप में भी काम किया था।

भगवान पर विवादित बयान देकर फंसीं श्वेता तिवारी, दर्ज हुई एफआईआर

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी मुश्किलों में फंस गई हैं। भोपाल में वेब सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने भगवान को लेकर विवादित बयान दिया है। इसकी वजह से उनपर केस दर्ज हो गया है। भोपाल के श्यामला हिल्स पुलिस स्टेशन में श्वेता तिवारी के खिलाफ IPC की धारा 295(A) के तहत केस दर्ज हुआ है। महंगा पड़ा मजाक श्वेता पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगा है। दरअसल एक वेब सीरीज के प्रमोशन से जुड़े कार्यक्रम में श्वेता ने कहा कि ब्रा की साइज भगवान ले रहे हैं। मजाकिया अंदाज में उन्होंने यह बात तो कह दी, पर इसे लेकर

बवाल खड़ा हो गया है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल कमिश्नर मकरंद देउस्कर को 24 घंटे में जांच करने और रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर ने कहा है कि हमें गृह मंत्री से निर्देश मिले हैं। हमारी जानकारी में भी मामला आया है। क्या कार्यवाही कर सकते हैं, इसकी जांच हो रही है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई कर सकेंगे। श्वेता फैशन से जुड़ी एक वेब सीरीज की तैयारियों और प्रमोशन को लेकर प्रोडक्शन टीम के साथ 26 जनवरी को भोपाल आई थीं। जलाए गए पोस्टर संस्कृति बचाओ मंच ने भोपाल के प्लेटिनम प्लाजा पर श्वेता तिवारी की तस्वीरों के साथ प्रदर्शन किया। उनकी तस्वीरों को जलाया गया। मंच के मध्य प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि श्वेता तिवारी ने जिस प्रकार भगवान का अपमान करके अनर्गल बयानबाजी की है, वेब सीरीज की हम भोपाल में शूटिंग नहीं होने देंगे। हम गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा जी से निवेदन करते हैं कि इसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

मुश्किल में महेश मांजरेकर, फिल्म में महिलाओं के आपत्तिजनक चित्रण का लगा आरोप, कोर्ट में दर्ज हुई शिकायत

मशहूर फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर की मराठी फिल्म 'नय वरण भट लोंचा कोन कोंचा' विवादों में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर अब महेश मांजरेकर के खिलाफ को मुंबई की एक अदालत में शिकायत दर्ज करवाई गई है। महेश मांजरेकर पर आरोप है कि उन्होंने अपनी नई मराठी फिल्म में महिलाओं और बच्चों को आपत्तिजनक तरीके से चित्रित किया है। निर्माता के खिलाफ ये शिकायत क्षत्रिय मराठा सेवा ने की है। क्षत्रिय मराठा सेवा संस्था ने बांद्रा मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के सामने महेश मांजरेकर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस दौरान डायेक्टर के खिलाफ आईपीसी की धारा 292 (अश्लील सामग्री की बिक्री आदि), 295 (सार्वजनिक रूप से अश्लील काम या शब्दों के लिए सजा), 34 (सामान्य इरादा) के तहत कार्रवाई की मांग की गई। इस मामले में महेश मांजरेकर के अलावा नरेंद्र, श्रेयंस हीरावत और एनएच स्टूडियोज को भी आरोपी बनाया है, जो फिल्म 'ने वरण भट लोंचा कोन कोंचा' के निर्माता हैं। वकील डीवी सरोज ने इस शिकायत में कहा कि 'नय वरण भट लोंचा कोन कोंचा' मराठी फिल्म को 14 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म में महिलाओं और बच्चों को बहुत ज्यादा आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है। महेश मांजरेकर के खिलाफ शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि इस फिल्म में मौजूद सामग्री ने समाज में असामंजस्य पैदा किया था, जिसके परिणामस्वरूप पूरे महाराष्ट्र में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बता दें कि इस फिल्म में प्रेम धर्माधिकारी, वरद नागवेकर, छाया कदम, शशांक शेंडे, रोहित हल्दीकर, कश्मीरा शाह, उमेश जगताप, गणेश यादव, अतुल काले, अश्विनी कुलकर्णी, सविता मालपेकर और ईशा दिवेकर ने काम किया है। इस फिल्म का जब ट्रेलर सामने आया था, तब भी राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से फिल्म में मौजूद बोल्ड व आपत्तिजनक सीन्स को सेंसर करने की मांग की गई थी। महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माइनर्स के लिए इस तरह की सामग्री परोसना बेहद निंदनीय है।

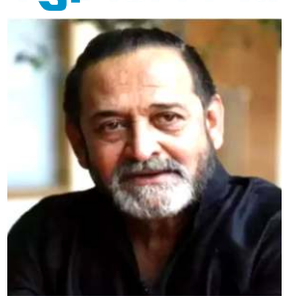

फ्रेशर्स से नियोक्ताओं की अपेक्षा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

यदि आप एक नए स्नातक हैं और रोजगार के अवसर की तलाश कर रहे हैं, तो कुछ ऐसे गुण हैं जो अधिकांश नियोक्ता फ्रेशर की नियुक्ति करते समय चाहते हैं। यदि स्नातक नीचे सूचीबद्ध कुछ लक्षणों पर ध्यान देते हैं जो एक नौकरी पाने और पसंद के क्षेत्र में विकसित होने के लिए पर्याप्त हैं।

एक उम्मीदवार को नियोक्ता के साथ नौकरी की उपलब्धता के अनुसार लचीले ढंग से स्थिति के लिए तैयार होना चाहिए। सुविधा क्षेत्र से परे काम करने के लिए तैयार एक बहुमुखी व्यक्ति, भावनात्मक रूप से संतुलित और प्रत्येक रोजगार फर्म की सिस्टम आवश्यकता को समझने के लिए तैयारी, एक पूर्व-आवश्यकता है।

प्रत्येक नियोक्ता चाहता है कि कर्मचारी उन्हें सौंपी गई भूमिकाओं, जिम्मेदारियों को समझे और कुशलता से काम करने के लिए संरेखित हो।

यह दोनों के लिए लाभ की स्थिति है जब नियोक्ता और कर्मचारी अपेक्षाओं को समझते हैं और

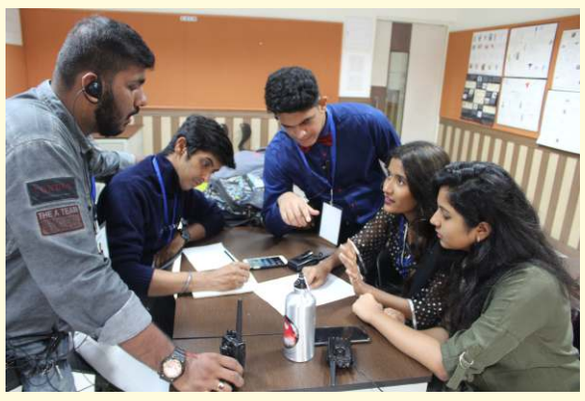

सामान्य प्रगति की दिशा में काम करते हैं।

प्रत्येक नौकरी व्यक्तिगत बायोडाटा विकसित करने का एक अवसर है, एक संगठन के साथ आपकी लंबी सेवा आपके निरंतर प्रदर्शन का एक संकेत है।

एक कर्मचारी के रूप में एक फ्रेशर को यह समझना चाहिए कि उन्हें सामान्य कौशल के साथ प्रशिक्षित किया गया था न कि नौकरी विशिष्ट कौशल के साथ और इस प्रकार रीयलटाइम में सिस्टम दृष्टिकोण के साथ संरेखित करना एक कठिनाई है, जिसे हर किसी को किसी न किसी समय से गुजरना पड़ता है। फ्रेशर का ध्यान एक कुशल टीम सदस्य होने के आत्म व्यक्तित्व और प्रोफाइल को विकसित करने में होना चाहिए।

हो सकता है कि आपकी पहली नौकरी आपके सपनों की नौकरी न हो, लेकिन निश्चित रूप से यह आगे की बड़ी यात्रा की दिशा में आपका पहला कदम है, इस प्रकार आत्म-लचीलापन, संचार कौशल, ईमानदारी और अखंडता, समय की पाबंदी और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ नियोक्ता की वफादारी प्राथमिक गुण हैं जो एक पूरी तरह से पेशेवर बनने के लिए एक फ्रेशर ले सकता है।

श्री देसाई सई-सुतार ज्ञाति मंडल मुंबई द्वारा समाजसेवक किरीटभाई चावड़ा सम्मानित

मुंबई। परम पूज्य संत शिरोमणि बजरंगदास बापा की 45वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री देसाई सई-सुतार ज्ञाति मंडल मुंबई द्वारा भक्ति गीत व भजन का कार्यक्रम 22 जनवरी 2022 को कांदिवली (ईस्ट) में स्थित देसाई दरजी वाड़ी में रखा गया था। जहाँ पर समाजसेवक किरीटभाई अमृतलाल चावड़ा को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। समाज में उनके योगदान व मुंबई तरंग गुजराती संस्करण का संपादक के पद नियुक्त करने पर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री कांतिलाल केशव लाल मिस्त्री, उपाध्यक्ष छोटूभाई कालाभाई गोहिल,ट्रस्टी श्री बचूभाई नानजीभाई सरवैया, महामंत्री सुनीलभाई एम गोहिल,सह मंत्री श्री रोहितभाई परसोतमदास राठोड, दिलीपभाई पटेल इत्यादि लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर व भक्तिभाव में लीन होकर परम पूज्य संत शिरोमणि बजरंगदास बापा को दिल से याद किया।

तृष्णा व्यास आरपीआई (ए) की गुजरात प्रदेश महिला उपाध्यक्ष बनी

तृष्णा व्यास को केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने गुजरात प्रदेश महिला उपाध्यक्ष बनाया

कच्छ (गुजरात): कच्छ के रापर ज़िले के टाउन हाल में एक कार्यक्रम रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (A) सदभावना महासम्मेलन का आयोजन रविवार 23 जनवरी 2022 को किया गया था।मुख्य अतिथि मार्गदर्शक व RPI (A) राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने अपने भाषण में कहा कि समाज जोड़ो,जाति तोड़ो और भाई चारा की दिशा में काम करो,जय भीम जय,संविधान,,जय गुजरात।जहाँ पर गुजरात प्रदेश कारोबारी की मीटिंग में सभी जिलों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर पार्टी की वडोदरा की महिला प्रमुख तृष्णा व्यास को गुजरात प्रदेश महिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अशोक भट्टी, महिला अध्यक्ष लीलावती बेन वाघेला, प्रभारी जतिन भाई भुटा,शहर अध्यक्ष राजेश गोयल व पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में नवनिर्वाचित गुजरात प्रदेश महिला उपाध्यक्ष तृष्णा व्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस के गढ़ में खुला एनसीपी का दफ्तर

मीरा भायंदर, 26 जनवरी के मौके पर मीरा भायंदर एनसीपी का बहुप्रतीक्षित मध्यवर्ती कार्यालय आखिरकार खुल ही गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। बहुत समय बाद एनसीपी अपने पुराने अंदाज में नजर आई, मीरा भायंदर का शांति नगर क्षेत्र पारंपरिक रूप से कांग्रेस पार्टी का स्थानीय गढ़ माना जाता है। इसी क्षेत्र में प्रदेश के बड़े नेता पूर्व विधान परिषद सदस्य मुजफ्फर हुसैन रहते हैं। यहां पर एनसीपी ने मीरा भायंदर जिले का मुख्य कार्यालय खोला। कुछ महीने पहले एनसीपी ने कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष अंकुश मालूसरे को जिलाध्यक्ष बनाकर स्थानीय राजनीति में बड़े उलट फेर का संकेत दे दिया था। ध्यान रहे की 2017 के मीरा भयंदर महानगरपालिका चुनाव में एनसीपी अपना खाता भी नहीं खोल पाई थी। पार्टी के अधिकांश नेता और कार्यकर्ता भाजपा और अन्य पार्टियों में चले गए। उसके बाद से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने महाराष्ट्र राज्य में कैबिनेट मंत्री जितेंद्र आव्हाड को प्रभारी बनाया। उनके साथ थाने लोकसभा के पूर्व सांसद आनंद परांजपे को जिले का समन्वयक बनाया। इस जोड़ी ने लगातार मीरा भायंदर शहर में संपर्क और बैठकें करके पार्टी को फिर से मजबूत बनाया।जिलाध्यक्ष अंकुश मालूसरे के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए पार्टी ने एक मजबूत संगठन खड़ा करने में सफलता पाई है। जिसका श्रेय सभी कार्यकर्ताओं के साथ साथ उत्तम मीडिया प्रबंधन को भी जाता है। पार्टी के संयोजक आनंद परांजपे हर सप्ताह शहर में आकर कई घंटे कार्यकर्ताओं के बीच बिताते हैं, जिससे उनका खोया आत्मविश्वास फिर से मजबूत हुआ।शहर में जल्द ही महानगरपालिका के चुनाव में एनसीपी बड़ा उलटफेर करने की ओर बढ़ रही है। इसकी वजह है पार्टी में विकसित हो रही कार्यप्रणाली। पार्टी में गुलाम नबी फारूकी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा मजबूती से कांग्रेस के मुस्लिम मतदाताओं में सेंध लगा रहा है। नयानगर में पार्टी को मजबूती मिली है।वही अन्नू पाटिल, सुप्रिया माइंकर, वनजारानी नायडू के प्रयासों से महिला मोर्चा तेजी से विकसित हुआ है।पार्टी के सभी शाखाएं बड़े पैमाने पर कार्यकर्ता जोड़ने में सफल हो रही है।कार्यक्रम के दौरान मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि , जनता के हक के लिए धरना- प्रदर्शन करना पड़ता है , पार्टी को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास जरूरी है। उन्होंने वरिष्ठ नेता अरुण कदम , मोहन पाटिल , अंकुश मालुसरे , अन्नू पाटिल को मनपा के सभी विभागों से संवाद स्थापित करके जनता की समस्याओं का हल निकालने के लिए कहा।वही पत्रकारों से बात करते हुए जिलाध्यक्ष अंकुश मालुसरे ने कहा कि धरना और आंदोलन की बजाय जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता जोड़ने से पार्टी मजबूत होगी।और आने वाले चुनाव में भाजपा मे मची आंतरिक कलह से पार्टी को फायदा होगा।

आदित्य ठाकरे ने किया ब्रिज व नल-जल का शुभारंभ

बरसों से बांस के पुल से आ-जा रहे थे लोग

महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को राज्य के नासिक जिले के आदिवासी अंचल के शेंद्रिपाड़ा गांव में विकास कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने बांस के पुल की जगह बने लोहे के पुल पर चलकर देखा। उन्होंने गांव में नल जल योजना का भी जायजा लिया। ठाकरे ने गांव की महिलाओं से बातचीत कर क्षेत्र की अन्य समस्याओं पर चर्चा की। लंबे समय से गांव के लोग जान जोखिम में डाल कर बांस के पुल से नदी पार करते थे। इसकी जगह अब लोहे का पुल बनाया गया है। गांव में नलों से पानी की सुविधा शुरू होने पर महिलाओं ने खुशी जताई। मंत्री आदित्य ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि सोशल मीडिया पर इस जगह की तस्वीर देखी और अधिकारियों को समस्या को हल करने का निर्देश दिया। हमने यहां एक पुल बनाया है और अगले 3 महीनों के भीतर, हम यहां हर घर को नल का पानी देने की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्यान लोगों की समस्याओं को हल करने पर है।

नैजल वैक्सीन का ट्रायल: भारत बायोटेक को नाक से दी जाने वाली बूस्टर खुराक के परीक्षण की इजाजत

भारत के दवा नियंत्रक (DCGI) ने भारत बायोटेक को उसकी नाक से दी जाने वाली कोरोना वैक्सीन की

बूस्टर खुराक (intranasal booster dose) के परीक्षण की इजाजत दे दी है। इस इंट्रा नैजल वैक्सीन की खुराक के जरिए देश में जारी कोरोना के खिलाफ जंग से निपटने में मदद मिलेगी। नाक से दी जाने वाली इस कोरोना वैक्सीन का परीक्षण देश में नौ जगह किया जाएगा। भारत बायोटेक ने स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन का निर्माण कर देश में इस महामारी के खिलाफ जंग में बड़ी कामयाबी हासिल की है। कंपनी अब बूस्टर खुराक के लिए नाक से दी जाने वाली वैक्सीन बना रही है। कोवाक्सिन लेने वालों पर होगा परीक्षण मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत बायोटेक ने अपनी नैजल वैक्सीन BBV154 को पहले से टीका ले चुके लोगों को बूस्टर डोज के तौर पर उपयोग करने का प्रस्ताव दिया है। इस वैक्सीन का परीक्षण ऐसे लोगों पर किया जाएगा जिन्होंने पहले कोवाक्सिन ले रखी है।

भारत बायोटेक ने पहले घोषणा की थी कि उसके द्वारा निर्मित यह नैजल वैक्सीन बच्चों के लिए सुरक्षित, सहन करने योग्य है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इंट्रानैजल वैक्सीन नाक व फेफड़ों में मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र का निर्माण करेगी। इससे वायरस संक्रमण के खिलाफ सुरक्षा में मदद मिलेगी।

वाइन शराब नहीं-महाराष्ट्र के सुपर बाजारों व दुकानों पर बिक्री की इजाजत का राउत ने किया बचाव, भाजपा पर भड़के

महाराष्ट्र के सुपर बाजारों व दुकानों पर वाइन बिक्री की इजाजत देने का शिवसेना नेता संजय राउत ने बचाव किया है। उन्होंने इसका विरोध करने पर भाजपा की आलोचना की। राउत ने कहा कि वाइन शराब नहीं है। यदि वाइन की बिक्री बढ़ती है तो इससे महाराष्ट्र के किसानों को लाभ होगा। शिवसेना नेता ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह इसका विरोध कर रही है, लेकिन उसने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। हमने महाराष्ट्र के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए वाइन बिक्री को लेकर यह कदम उठाया है।

भाजपा की किसानों से दुश्मनी : राउत शिवसेना सांसद राउत ने मुंबई में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि वाइन उद्योग काफी हद तक अंगूर, चीकू, अमरूद और

अनाजों पर निर्भर है। किसान जो फल और अनाज उपजाते हैं, उनसे वाइन बनती है। यह निर्णय किसानों के हित में लिया है। किसानों के हित में साहसी फैसले करने पड़ते हैं।

जो इसका विरोध कर रहे हैं, वे किसानों के दुश्मन हैं।

फडणवीस ने कहा था- महाराष्ट्र है या मद्य राष्ट्र महाराष्ट्र में मॉल्स, सुपर बाजार व दुकानों पर वाइन बिक्री का भाजपा विरोध कर रही है। पार्टी का कहना है कि पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की बजाए राज्य सरकार शराब बिक्री की सुविधाएं दे रही है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह महाराष्ट्र है कि मद्यराष्ट्र है? कोरोना काल में किसानों और गरीबों के लिए एक भी मदद की घोषणा राज्य सरकार ने नहीं की। इन्हें बस शराब की चिंता है। पेट्रोल और डीजल महंगा है और शराब सस्ती हो रही है।

मालेगांव विस्फोट केस-आपत्ति पर एटीएस अफसर कोर्ट से बाहर, बचाव पक्ष ने सुनवाई को आगे बढ़ाने से कर दिया था इनकार

मालेगांव में साल 2008 में हुए बम विस्फोट की सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के दो अधिकारी भी विशेष अदालत में उपस्थित हुए। लेकिन बचाव पक्ष की आपत्ति के बाद उन्हें कक्ष से बाहर निकलना पड़ा। अभियोजन के कई गवाहों के पलट जाने पर गृह मंत्री वलसे पाटिल के निर्देश पर एटीएस अधिकारियों को कोर्ट में भेजा गया था। मालेगांव विस्फोट की जांच शुरू में एटीएस ने की थी। बाद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इसे ले लिया था। हाल के दिनों में कई गवाहों ने एटीएस की जांच पर

सवाल उठाए हैं। एक गवाह ने धमाके में योगी आदित्यनाथ और आरएसएस नेताओं के नाम लेने के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। कोर्ट में एटीएस अफसरों की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए एनआईए के वकील ने कहा कि उनका मामले से कोई लेना-देना नहीं है। बचाव पक्ष के वकील जेपी मिश्रा ने कहा कि इन अधिकारियों को सुनवाई में शामिल होने का अधिकार नहीं है। कानून के अनुसार एनआईए जांच के दौरान अन्य एजेंसियों की मदद ले सकता है, लेकिन सुनवाई के दौरान नहीं।

महाराष्ट्र: भाजपा के 12 विधायकों को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने एक साल तक निलंबन को असंवैधानिक बताया

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा से भाजपा के 12 विधायकों को एक साल के लिए निलंबित करने के निर्णय को निरस्त कर दिया। शीर्ष अदालत ने निलंबन के आदेश को असंवैधानिक, अवैध और मनमाना करार दिया। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि निलंबन एक सत्र से अधिक के लिए नहीं हो सकता है।

आशीष शेलार और महाराष्ट्र के अन्य भाजपा विधायकों द्वारा दायर एक रिट याचिका पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 5 जुलाई, 2021 को महाराष्ट्र विधानसभा के 12 भाजपा विधायकों को एक साल के लिए निलंबित करने का फैसला अवैध है। पीठ ने कहा है कि इससे संबंधित प्रस्ताव को दुर्भावना से पारित किया गया। लिहाजा पीठ ने इसे अप्रभावी घोषित कर दिया। शीर्ष अदालत ने 19 जनवरी को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने विधायकों की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी, एनके कौल और महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम की दलीलें सुनी थी। एक साल के लिए निलंबन लोकतंत्र के लिए खतरनाक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि एक साल के लिए विधायकों को निलंबित करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा क्योंकि इसके कारण उनके निर्वाचन क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा। कोर्ट ने कहा था कि असली मुद्दा निर्णय की तर्कसंगतता का है। किसी उद्देश्य के लिए ऐसा होना चाहिए। एक साल तक निलंबन के पीछे कोई वाजिब और भारी-भरकम कारण होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक वर्ष के लिए निलंबन का निर्णय तर्कहीन है क्योंकि संबंधित निर्वाचन क्षेत्र को छह महीने से अधिक समय तक प्रतिनिधित्व से वंचित किया जा रहा है। जुलाई 2021 में महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर के आसन पर बैठे (पीठासीन अधिकारी) भास्कर जाधव ने सदन में हंगामा करने वाले भाजपा के 12 विधायकों को अनियंत्रित व्यवहार करने पर निलंबित कर दिया था। जाधव ने तब कहा था कि जब सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी, तब विपक्ष के नेता उनके कक्ष में आए और विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस व वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल के समक्ष उन्हें अपशब्द कहे।

नक्षत्र टाउनशिप कराडवा रोड डिंडोली सुरत में झंडा रोहण का कार्यक्रम संपन्न

73वे गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर नक्षत्र टाउनशिप कराडवा रोड डिंडोली सुरत में झंडा रोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर सोसायटी के सदस्य संदिप पाटिल,कालूराम ओझा,रामनिवास पारीक, दिलीप पटेल, छेलूसिहं, सुमित, तिवारी, अमीत, भाई, पवन पारिक,हरिनारायण यादव, संतोष भाई,राजमणि सिहं और सोसायटी सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया सोसायटी के सभी सदस्यों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ और बहुत-बहुत बधाई।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।